RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

# स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-251 | जयपुर, शनिवार, 07 मार्च 2026 | मूल्य-4 रूपये

# यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी, अनुज अग्निहोत्री ने किया टॉप

### टॉप टेन में तीन लड़कियां शामिल, 958 उम्मीदवारों का चयन

नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा के डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है।

आयोग के अनुसार लिखित परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की थी, जबकि साक्षात्कार दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच आयोजित किए गए। इन चरणों के आधार पर 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया है। परीक्षा परिणाम के अनुसार शीर्ष दस स्थानों पर चयनित अभ्यर्थियों में अनुज अग्निहोत्री ने पहला स्थान प्राप्त

किया, जबकि दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे व तीसरे स्थान पर अकांश धुल रहे। चौथे स्थान पर राघव झुनझुनवाला, पांचवें स्थान पर ईशान भटनागर, छठे स्थान पर जिन्निया अरोरा, सातवें स्थान पर ए.आर. राजाह मोहाइदीन, आठवें स्थान पर पक्षाल सेक्रेट्री, नौवें स्थान पर आस्था जैन और दसवें स्थान पर उज्ज्वल प्रियांक रहे। चयनित 958 उम्मीदवारों में सामान्य वर्ग के 317, ईडब्ल्यूएस के 104, ओबीसी 306, एससी के 158 और एसटी के 73 अभ्यर्थी शामिल हैं। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई रिक्तियों के अनुसार विभिन्न सेवाओं में 1087 पदों पर नियुक्ति की जानी है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 180, भारतीय विदेश सेवा के 55, भारतीय पुलिस सेवा के 150, केंद्रीय सेवाओं के समूह 'ए' के 507 और समूह 'बी' सेवाओं के 195 पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आयोग ने नियमों के अनुसार एक समेकित आरक्षित सूची भी तैयार की है, जिसमें सामान्य वर्ग के 129, ईडब्ल्यूएस के 26, ओबीसी के 86, एससी के 8 और एसटी के 6 उम्मीदवार शामिल हैं।

### राजस्थान के कई अन्य अभ्यर्थियों का भी चयन

बहरोड़ के तरुण कुमार यादव ने 49वीं रैंक प्राप्त की है। पिछली बार उनका चयन आईपीएस के रूप में हुआ था और अब वे आईएएस बन सकेंगे। बालोतरा के गौरव चौपड़ा ने 83वीं रैंक, बूंदी के सौरभ शर्मा ने 146वीं रैंक, तिजारा के निशांत यादव ने 237वीं रैंक व बालोतरा के जितेंद्र प्रजापति ने 287वीं रैंक हासिल की है। साथ ही पोकरण के प्रवीण दान रतनू ने 499वीं रैंक, सीकर के संजय कुमार ने 502वीं रैंक, जयपुर के संभव पाटनी ने 608वीं रैंक, तिजारा के बादल यादव ने 635वीं रैंक व दौसा के आशीष शर्मा ने 722वीं रैंक प्राप्त की है।

### डॉ. अनुज पहले प्रयास में बने थे दिल्ली में एसडीएम

डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप करके राजस्थान का नाम रोशन किया है। मेडिकल पृष्ठभूमि से आने वाले डॉ. अनुज पहले भी यूपीएससी परीक्षा पास करके दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति पा चुके हैं। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा निवासी डॉ. अनुज का चयन 2023 में पहले प्रयास में दिल्ली एवं केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवा में हुआ था और उन्हें दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति मिली थी। उन्होंने दिसंबर, 2024 में इस पद पर जॉइन किया था। इसके बाद उन्होंने फिर से यूपीएससी परीक्षा दी और अपने तीसरे प्रयास में ऑल इंडिया टॉप कर लिया। दूसरे प्रयास में उन्होंने मेंस परीक्षा पास की थी, लेकिन इंटरव्यू में उनका चयन नहीं हो पाया था। अपनी सफलता पर डॉ. अनुज ने कहा कि यूपीएससी जैसी परीक्षा की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव आते हैं। उन्होंने बताया इस परीक्षा में सफल होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज अनुशासन व निरंतर मेहनत है। अनुज ने 2023 में एम्स जोधपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में भी उन्होंने 215वीं रैंक हासिल की थी।

### रायसीना डायलॉग में जयशंकर बोले-

# नई दुनिया में संतुलन ही शक्ति बनेगा

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को बदलती दुनिया की ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब कोई भी देश हर क्षेत्र में हावी नहीं रह सकता, बल्कि भविष्य में दुनिया बहुध्रुवीय होगी, जहां हर क्षेत्र और हर देश की ताकत मायने रखेगी। उन्होंने कहा कि बड़े समझौते और वैश्विक दबदबे का दौर समाप्त हो चुका है। जयशंकर ने यह बात रायसीना डायलॉग में एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अब नई दुनिया में हर राष्ट्र को योगदान देने का मौका मिलेगा और संतुलन ही नई शक्ति बनेगी।

जयशंकर ने आगे कहा कि आज कोई भी देश इतना शक्तिशाली नहीं है कि वह दुनिया के हर क्षेत्र में प्रभुत्व रख सके। इसलिए आने वाला समय कई देशों के योगदान और ताकत के आधार पर विकसित होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि कुछ बड़े देश कभी-कभी सीमित मुद्दों पर अस्थायी समझौते कर सकते हैं, लेकिन अब कोई ऐसा बड़ा 'संपूर्ण सौदा' नहीं होगा जिसे बाकी दुनिया को मानना पड़े। वह

दौर समाप्त हो चुका है। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि बहुध्रुवीयता और बहुपक्षीयता में विरोधाभास नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय संस्थाओं की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करनी चाहिए कि बहुध्रुवीयता कमजोर हो।

इस दौरान जयशंकर ने भारत द्वारा पिछले तीन वर्षों से 'वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ' की मेजबानी का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि अब ग्लोबल साउथ देशों के लिए नए प्लेटफॉर्म की जरूरत है। जयशंकर ने दोहराया कि बड़े देशों द्वारा अपनी शक्ति दिखाकर क्षेत्रीय या वैश्विक प्रभाव बनाना और बड़े व्यापक समझौते करना अब संभव नहीं है। दुनिया अब बहुध्रुवीय और संतुलित बनने जा रही है।

### भूटान के साथ की द्विपक्षीय बैठकें

इसके साथ ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका और भूटान के विदेश मंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में उन्होंने भारत और इन पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी.एन. धुंग्येल से मुलाकात के बाद कहा कि भारत भूटान के साथ अपनी विशेष साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं, श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के साथ बातचीत में उन्होंने द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की।

## कर्नाटक में नाबालिगों के 'सोशल मीडिया' इस्तेमाल पर भी रोक की घोषणा

### ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य, पैरेंट्स की परमिशन जरूरी

बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की घोषणा की है। सीएम सिद्दारमैया ने कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है।

सीएम ने 2026-27 के राज्य बजट भाषण में कहा कि इस बैन को किस तरह लागू किया जाएगा, इसकी तैयारी चल रही है। कर्नाटक ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। यह प्रस्ताव डेटा सुरक्षा कानून डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (DPDP) और पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025 से भी जुड़ा है। इसके तहत बच्चों को अकाउंट बनाने से पहले माता-पिता की अनुमति और उनकी वयस्कता की पुष्टि जरूरी होगी। इसके लिए सरकारी पहचान प्रणाली या डिजिटल लॉकर का उपयोग किया जा सकता है। वहीं आंध्र प्रदेश में सरकार को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने का सुझाव मिला है। मुख्यमंत्री ष्टरूएन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी।

# सरकार ने रसोई गैस इमरजेंसी लागू की

### सभी तेल कंपनियों को प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया

नई दिल्ली

ईरान-इजराइल जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत भी बढ़ेगी। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर का यूज करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन में रुकावट की वजह से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती

है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने गुरुवार देर रात आदेश जारी किया।

इस आदेश में कहा गया है कि अब रिफाइनरी कंपनियां अपने पास मौजूद प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। यानी इन गैसों का उपयोग किसी और काम में नहीं किया जाएगा।

### सरकारी कंपनियों को मिलेगी प्राथमिकता

आदेश के मुताबिक, सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) को करनी होगी।

इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के लगभग 33.2 करोड़ एक्टिव LPG कंज्यूमर्स यानी उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के गैस सिलेंडर मिलते रहें।

सरकार के इस फैसले का सीधा असर प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर पड़ सकता है। प्रोपेन और ब्यूटेन का डायवर्जन होने से अल्काइलेट्स के प्रोडक्शन में कमी आएगी, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने में किया जाता है।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और ट्रेड सोर्सेज का कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल के बजाय LPG बनाने में इस्तेमाल करने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा।

## प्रदेश के 22 शहरों का पारा 35 पार चित्तौड़गढ़ और जैसलमेर सबसे गर्म

**जयपुर।** प्रदेश में गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के 22 शहरों का दिन का पारा 35 डिग्री के पार पहुंच गया। चित्तौड़गढ़ व जैसलमेर राजस्थान में सबसे गर्म रहे। यहां का अधिकतम तापमान 38 डिग्री दर्ज किया। 22.6 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। प्रदेश के 7 शहरों का पारा 37 डिग्री के पार दर्ज किया।

मौसम विभाग के अनुसार चित्तौडगढ़, जैसलमेर, वनस्थली, चूरू पिलानी, बाड़मेर और फतेहपुर का दिन का पारा 37 डिग्री के पार दर्ज किया गया। जयपुर सहित प्रदेश के 22 शहरों का दिन का पारा 35 डिग्री के पार रहा। जयपुर, कोटा और फलौदी की रात का पारा 20 डिग्री के पार दर्ज किया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में गुजरात व आसपास के लगने वाले अरब सागर क्षेत्र के ऊपर एक प्रति चक्रवाती तंत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने व तापमान में और 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। राज्य में आगामी एक सप्ताह के दौरान अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री ऊपर जारी रहने तथा दक्षिण-पश्चिमी भागों में 8-10 मार्च के दौरान कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज होने की प्रबल संभावना है।

# हम बंटे हुए, इसलिए आक्रमण हो रहे: भागवत

### संत ने कहा-जैनों को हिंदुओं से अलग न समझें

जैसलमेर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं क्योंकि हम सोए और बंटे हुए हैं। हम वास्तव में एक ही हैं, पंथ-संप्रदाय से अलग हैं। संस्कृति, देश, समाज के नाते हम एक हैं। ज्ञान नहीं है तो वह भेद मानता है। आज से सद्भावना की शुरुआत कर देनी चाहिए। मेरा एक-एक मित्र कुटुम्ब होगा, उनका मेरा यहां आना-जाना, सुख-दुख, खाना-पीना सभी रहेगा।

क्योंकि समय बड़ा कठिन है।

मोहन भागवत ने यह बात शुक्रवार को जैसलमेर में जैन समाज के चादर महोत्सव कार्यक्रम में कही। इससे पहले भागवत ई-रिक्शा में बैठकर सोनार दुर्ग गए। जहां पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार और दादा गुरुदेव की पावन चादर के दर्शन किए। इसके बाद वे देदांसर मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय चादर महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने सभा को संबोधित किया।

### असम में सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट क्रैश में दोनों पायलटों की मौत

**कार्बी आंगलोंग।** असम के कार्बी आंगलोंग के पहाड़ी इलाके में गुरुवार रात को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से दोनों पायलटों की मौत हो गई। दोनों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज व को-पायलट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर के रूप में हुई है। लेफ्टिनेंट पूर्वेश आईएएफ के फ्लाइंग नेविगेटर थे। हादसे की आधिकारिक जानकारी आईएएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है। दुर्घटना स्थल से दोनों वायु सैन्य कर्मियों के शव मिल गए हैं।

### दावा- रूस जंग में ईरान की मदद कर रहा

# रूस ने अमेरिकी ठिकानों की खुफिया जानकारी मुहैया कराई

तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच खबर है कि रूस जंग के दौरान ईरान को खुफिया मदद दे रहा है। मॉस्को ने ईरान को मिडिल-ईस्ट में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों और सैन्य विमानों की लोकेशन से जुड़ी जानकारी मुहैया कराई।

वॉशिंगटन पोस्ट की ने तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि रूस ईरान को ऐसी टारगेटिंग इंटेलिजेंस दे रहा है, जिससे वह अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले हफ्ते अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद ईरानी सेना की अमेरिकी ठिकानों का पता लगाने की क्षमता कमजोर हो गई है। इसके बाद वह रूस की मदद ले रहा है। दूसरी तरफ मॉस्को ने भी कहा है कि ईरान और रूस के अधिकारी संपर्क में हैं, हालांकि इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है कि रूस तेहरान को खुफिया या सैन्य मदद दे रहा है।

### ईरान का युद्धपोत भारत में रुका

ईरान का एक युद्धपोत IRIS लावन भारत के कोच्चि बंदरगाह पर रुका हुआ है। ANI ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान ने 28 फरवरी को तकनीकी खराबी आने के बाद भारत से मदद मांगी थी। भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी और इसके बाद 4 मार्च को यह बंदरगाह पर पहुंच गया। जहाज के 183 क्रू मेंबर फिलहाल कोच्चि में भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए हैं।

### प्रधानमंत्री ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित किया

# सरकार ने कृषि को मजबूत किया हैं, किसानों के जोखिम कम हुए

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री ने 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर आयोजित बजट पश्चात वेबिनार के तीसरे सत्र में प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बजट निर्माण में दिए गए सुझावों का परिणाम अब दिख रहा है, और अब महत्वपूर्ण यह है कि बजट का पूरा लाभ देश को मिले।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और दीर्घकालीन विकास का स्ट्रैटेजिक पिलर है। करीब 10 करोड़ किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपए मिले हैं। स्वच्छ सुधारों से किसानों को डेढ़ गुना तक अधिक रिटर्न मिल रहा

है, जबकि इंस्टिट्यूशनल क्रेडिट कवरेज 75% से अधिक हो चुकी है। पीएम फसल बीमा योजना के तहत लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के क्लेम सेटल किए गए हैं। ऐसे प्रयासों से किसानों का रिस्क कम हुआ है और उन्हें बेसिक आर्थिक सुरक्षा मिली है।

प्रधानमंत्री ने हाई-वैल्यू एग्रीकल्चर, जैसे नारियल, काजू, कोको और चंदन पर विशेष जोर दिया। दक्षिणी राज्यों के किसानों के लिए अतिरिक्त लाभ सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैं। नॉर्थ ईस्ट और हिमालयन राज्यों में टेम्परेट नट और अगरवुड क्रॉप्स को बढ़ावा देने का प्रस्ताव बजट में रखा गया है। एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड प्रोडक्शन बढ़ाने से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन होगा।

### ग्रामीण आय के नए स्रोत

फिशरीज सेक्टर में 4 लाख टन उत्पादन है, लेकिन इसमें 20 लाख टन अतिरिक्त उत्पादन की संभावना मौजूद है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का हाई ग्रोथ पिलर है। देश दुनिया का सबसे बड़ा मिल्क प्रोड्यूसर है और एग प्रोडक्शन में दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री ने गोबरधन योजना और एनिमल हसबेंड्री इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड जैसे उपायों का उल्लेख किया।

### क्रॉप डायवर्सिफिकेशन और प्राकृतिक खेती

प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल एक ही फसल पर निर्भर रहना जोखिम भरा है। इसलिए क्रॉप डायवर्सिफिकेशन, नेचुरल फार्मिंग और केमिकल-फ्री खेती पर जोर दिया गया। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स से वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

### डिजिटल और तकनीकी पहल

e-NAM और एग्रीस्टैक जैसी डिजिटल पहलें किसानों और रिसर्च संस्थाओं को जोड़ रही हैं। अब तक लगभग 9 करोड़ किसानों की डिजिटल आईडी बनाई जा चुकी है और 30 करोड़ भूमि पार्सलों का डिजिटल सर्वे किया गया है। प्रधानमंत्री ने टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन और इनोवेशन पर सुझाव देने का आग्रह किया।

### ग्रामीण समृद्धि और महिलाओं का सशक्तिकरण

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण समृद्धि के लिए पीएम आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना और स्वयं सहायता समूहों की मदद का उल्लेख किया। लखपति दीदी अभियान में अब तक 3 करोड़ महिलाएं शामिल हुई हैं और 2029 तक 3 करोड़ और जोड़ने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि वेबिनार में निकले सुझाव बजट प्रावधानों को जमीन पर लागू करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा लाने में मदद करेंगे।

# बंगाल एसआईआर- ममता बनर्जी कोलकाता में धरने पर बैठीं

### कहा- मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट-एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर शुरू हुए इस विरोध के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी।

टीएमसी प्रमुख ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएंगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज कर दिया है।

यह धरना दोपहर करीब 2:15 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन राज्य में चुनाव आयोग के पूरे दल के प्रस्तावित दौरे से दो दिन पहले हो रहा है। इसकी घोषणा पहले टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की थी।

28 फरवरी को चुनाव आयोग ने पोस्ट-SIR के बाद संशोधित वोटर लिस्ट जारी की थी। इसके बाद सत्तारूढ़ TMC और चुनाव आयोग के बीच टकराव तेज हो गया है।

## ईरान-इज़राइल युद्ध में मुंबई के युवक की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

मुंबई (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में महायुद्ध शुरू हुए 5 दिन हो चुके हैं और इसका असर अब भारत पर भी पड़ा है। इस युद्ध में एक 25 साल के युवक दीक्षित की ड्रोन से मौत होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके के रहने वाले दीक्षित सोलंकी की ओमान के तट पर मस्कट के पास एक कार्गो ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले में मौत हो गई। मूल रूप से दीव के रहने वाले 25 साल के दीक्षित सोलंकी कुछ समय पहले व्यापार के लिए मुंबई में बस गए थे। वह मुंबई के कांदिवली इलाके में रह रहे थे। ओमान के मस्कट के तट से 52 नॉटिकल मील दूर एक एक्सप्लोसिव से लदी ड्रोन बोट ने ऑयल टैंकर एमकेडी व्योम को टक्कर मार दी। इस भयानक धमाके में टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई और दीक्षित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर पर सवार बाकी 25 क्रू मेंबर्स (जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया गया है दीक्षित दीव के 25 साल के मछुआरे अमृतलाल सोलंकी का छोटा बेटा था। वह अपनी मां की मौत के बाद एक महीने पहले अपने घर लौटे थे और फिर ड्यूटी पर लौट गए थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बीच ओमान में भारतीय दूतावास ने दीक्षित सोलंकी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

## सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के बहाने यौन उत्पीड़न, 10वीं के छात्रों पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के नाम पर कम उम्र के बच्चों के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कक्षा 10 में पढ़ने वाले कई छात्रों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये सीनियर छात्र अपने से छोटी कक्षाओं, मुख्य रूप से 5वीं और 6वीं के बच्चों को अपना निशाना बनाते थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने स्वयं मौके का मुआयना किया और जांच की कमान संभाली। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पीड़ित बच्चों के साथ पिछले 6 से 7 महीनों से इस तरह की घिनौनी हरकतें की जा रही थीं। बच्चों ने हिम्मत जुटाकर 22 फरवरी को इस मामले की जानकारी हॉस्टल अधीक्षक को दी थी। हालांकि, प्रबंधन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि घटना की जानकारी होने के बावजूद हॉस्टल अधीक्षक ने पुलिस को सूचित करने के बजाय केवल छात्रों के माता-पिता को बुलाकर उन्हें घर ले जाने को कह दिया। मंगलवार को एक पीड़ित छात्र के अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीनियर छात्रों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें जल्द ही जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके साथ ही, लापरवाही बरतने और अपराध को छिपाने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हॉस्टल की क्षमता 60 छात्रों की है, जिसमें वर्तमान में 48 छात्र रह रहे थे। इस घटना ने हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और प्रबंधन की निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

## पहाड़गंज में खिलौना गोदाम में लगी आग, चौथी मंजिल के गोदाम से दो शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के हाड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को आग लगने की सूचना शाम को मिली। आग इमारत की चौथी मंजिल पर बने अस्थायी ढांचे में स्थित खिलौनों के गोदाम में लगी थी। आग के कारण गोदाम में रखी सामग्री तेजी से जलने लगी। सूचना मिलते ही डीएफएस की 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने संकरी गलियों और अस्थायी ढांचे की वजह से कई चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने में कई घंटे खर्च किए। आग की भीषणता मुख्यत: प्लास्टिक और सिंथेटिक खिलौनों के कारण थी। दमकल कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की मेहनत के बाद गुरुवार तड़के 3:20 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। आग में दो जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि चौथी मंजिल पर अस्थायी ढांचे में गोदाम संचालित होना और संकरी गलियां आग पर काबू पाने में चुनौती रही।

## भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद को अस्तित्वगत खतरा करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद किसी सीमा, राष्ट्रीयता या जातीयता को नहीं मानता। रघु पुरी ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक अस्तित्वगत खतरा करार दिया। उन्होंने बताया कि यह चुनौती केवल एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है और इसका सामना केवल सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से किया जा सकता है। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुरी ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है और इसके खिलाफ हर स्तर पर ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

## कनाडा की पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की मॉन्ट्रियल के पास लासाल में उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सेंट-लूस क्रिसेंट में स्थित बिल्डिंग से इमरजेंसी कॉल आई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को नैंसी घायल हालत में मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया पर जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे और खून बहने से उसकी मौत हुई है। इस खबर से कनाडा और पंजाब में रहने वाले नैन्सी ग्रेवाल के परिवार में शोक की लहर है। मॉन्ट्रियल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

# खरगे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

### बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

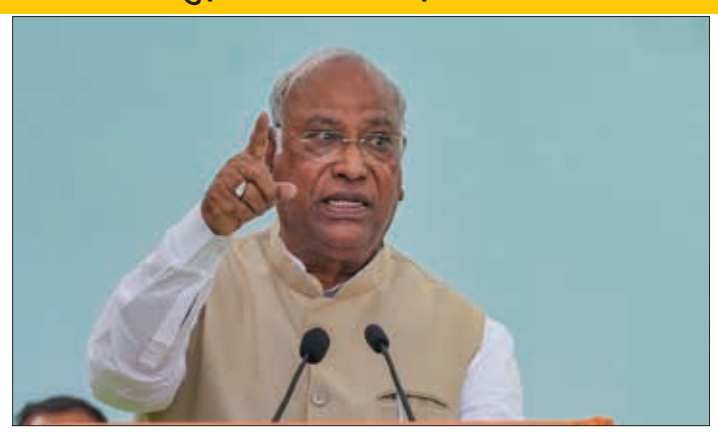

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

## तेजस्वी का दावा- मेरी भविष्यवाणी सच हुई, बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक, अब जेडीयू खत्म

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने मुख्यमंत्री परिवर्तन की बात पहले ही कह दी थी। महाराष्ट्र मॉडल अब बिहार में लाया गया है। भाजपा पिछड़े नेताओं को सत्ता में नहीं रहने देती। भाजपा सिर्फ एक कठपुतली मुख्यमंत्री बैठाती है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है, 'नीतीश जी को घोड़ा तो चढ़ाया है दुल्हा बनाकर लेकिन फेरा किसी और के साथ दिला रहा है'। भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि वह (राज्यसभा) जाना चाहते हैं। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि चुनाव के बाद भाजपा के लोग नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वह बात सच हो गई है। जनता की आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं... जब नीतीश कुमार ने 2024 में हमारा गठबंधन छोड़ा था... तब भी हमने कहा था कि भाजपा जेडीयू पार्टी को खत्म कर देगी। यादव ने कहा कि हमें यह पहले से ही पता था। जब हमने 28 जनवरी, 2024 को कहा था कि जेडीयू का सफाया हो जाएगा, तो भाजपा को वे परिणाम नहीं मिले जिनका उन्होंने दावा किया था, यानी 400 सीटें। इसलिए, एक साल की देरी हुई। अन्यथा, वे उन्हें (जेडीयू को) बहुत पहले ही खत्म कर चुके होते। उन्होंने कहा कि निशांत को बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया... अब आप देख रहे हैं कि ये लोग बिहार को कैसे बर्बाद कर रहे हैं, जो वे पहले से ही करते आ रहे हैं। हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे।

## नागरिकता के नाम पर मतुआ समुदाय को अनिश्चितता में धकेल रहा केंद्र: ममता

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नागरिकता देने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को ''अनिश्चितता और भ्रम'' की स्थिति में धकेल रही है। बनर्जी ने मतुआ समुदाय की कुलमाता वीणापाणि देवी, जिन्हें 'बड़ो मा' के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि केंद्र उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रहा है जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रमित स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता देने के नाम पर राजनीति की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए उन्हें मतदाता सूची से जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। जो लोग पीढ़ियों से इस देश के नागरिक हैं, जिनके वोट सरकारों को चुनते हैं, उन्हें फिर से 'नागरिकता' देने के नाम पर अब अनिश्चितता का सामना कराया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले हर कदम का विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाई-बहनों और बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।''

बनर्जी ने कहा कि वीणापाणि देवी के साथ उनका ''व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध'' रहा है और वे एक मां की तरह उनसे स्नेह करती थीं। उन्होंने कहा, ''बड़ो मा वीणापाणि देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं और प्रणाम करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और नवजागरण का अविभाज्य हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''बड़ो मा ने जीवन भर इन आदर्शों को पोषित किया। उनके नेतृत्व में मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ।''

# तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

### -सीएम स्टालिन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर लगी मुहर

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है।

सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है।

डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि विपक्षी नेता पिछले दो साल से गठबंधन टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन उनकी इच्छाएं अनसुनी रह गईं। डीएमके ने तंज कसते हुए कहा कि एडप्पादी पलानीस्वामी गठबंधन टूटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन आखिर में वह अकेले रह गए। पार्टी ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के समर्थन की लहर को देखते हुए कई नए दल भी इस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं।

# खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

**जम्मू (एजेंसी)।** ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे वफादार दोस्त के मुश्किल वक्त में भारतीय नेतृत्व की खामोशी अत्यंत दुखद है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की मांग की। महबूबा ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन करने वाली कई युवा लड़कियों और आम नागरिकों को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है और सरकार सबको चुप रहने पर मजबूर नहीं कर सकती। महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि कश्मीर के लोग और वैश्विक मुस्लिम समुदाय इस घड़ी में पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं। उन्होंने मारे गए लोगों को शहीद बताते हुए उनकी बहादुरी को नमन किया। हालांकि, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने कश्मीरी युवाओं से एक भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अभी पटरी पर लौटना शुरू हुए हैं और किसी भी हिंसा से इन्हें नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इस बीच, घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और शिया बहुल इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है।

# देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

### अहमदाबाद साइबर पुलिस के बाद अब मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था।

पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पता चला कि धमकी भरा ईमेल पश्चिम बंगाल के न्यू बराकपुर इलाके से भेजा गया था। इसके बाद दिंडोशी पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी की तलाश में पश्चिम बंगाल पहुंची। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी इससे पहले 16 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल भेज चुका था। अहमदाबाद साइबर पुलिस ने उस मामले में पहले ही केस दर्ज कर रखा था और 1 मार्च 2026 को सौरव विश्वास को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को अहमदाबाद से अपनी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह धमकी भरे संदेश महज अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से भेजे थे या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश का हाथ है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

## खाड़ी देशों में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने हेतु उठाए जा रहे कदम, मंगलवार को मुंबई पहुंचे 164 नागरिक

**मुंबई (एजेंसी)।** पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालात दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहा युद्ध इस समय पूरी दुनिया में फैल रहा है। इस युद्ध जैसे माहौल में एयरस्पेस बंद होने की वजह से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहल करते हुए दुबई और यूएई में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाए। इस मुश्किल हालात में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की मदद के लिए मंगलवार रात दो विशेष विमानों का इंतज़ाम किया गया और 164 नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाया गया। मुंबई में सुरक्षित लौटे यात्रियों ने प्रशासन का शुक्रिया अदा करने के बाद जो अनुभव बताए, उनमें से कुछ बहुत डरावने और दिल दहला देने वाले थे। इनमें से एक युवक कहा कि वह मुंबई से अमेरिका जा रहा था। इस फ्लाइट में दुबई से उसकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी। वह दूसरे यात्रियों के साथ उसमें बैठा भी था। हालांकि, प्लेन काफी देर तक रनवे के पास टेक-ऑफ का इंतज़ार करता रहा। कभी-कभी उन्हें तकनीकि खराबी का कारण बताया गया। हालांकि, कुछ देर बाद प्लेन को वापस टर्मिनल पर डायवर्ट कर दिया गया और सभी को उनके सामान के साथ उतार दिया गया। कुछ घंटों के इंतज़ार के बाद, उन्हें बताया गया कि युद्ध के हालात की वजह से सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। उसके बाद, एयरलाइन ने तुरंत एयरपोर्ट पर बसें भेजीं और कहा कि वे सभी पैसेंजर्स को एयरपोर्ट से होटल ले जा रहे हैं। उधर पूरे दुबई में टेंशन का माहौल था। होटल ढूंढने में भी कुछ घंटे लग गए। कई लोगों को बहुत परेशानी हुई, जिन्हें कमरा नहीं मिला, उन्हें होटल की लॉबी में सोफे पर सोना पड़ा। राहुल ने कहा कि कई भारतीय अभी भी वहां फंसे हुए हैं। इसलिए, इन पैसेंजर्स की दी गई जानकारी से यह साफ है कि इस युद्ध की वजह से इंटरनेशनल टूरिस्ट्स को बहुत परेशानी हुई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खाड़ी देश में फंसे महाराष्ट्र के लोगों के लिए एयरलाइन स्टार एयर की दो स्पेशल फ्लाइट्स रिजर्व की थीं। रविवार दोपहर को दो फ्लाइट्स ने फुजैरा एयरपोर्ट से कुछ ही मिनटों के अंदर उड़ान भरी। इन दोनों फ्लाइट्स से कुल 164 पैसेंजर मंगलवार रात करीब 10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। इनमें पुणे के इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के 84 स्टूडेंट्स और ठाणे, मुरबाड, अहिल्यानगर वगैरह के नागरिक शामिल थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इन लोगों से फोन पर बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था। एकनाथ शिंदे ने वादा किया था, आप सब सुरक्षित हैं, चिंता न करें, महाराष्ट्र सरकार और मैं खुद आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। आपको सुरक्षित वापस अपने देश लाने की पूरी कोशिश की जाएगी। इसके बाद, उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर इन 164 यात्रियों को वापस उनके देश लाकर अपना वादा निभाया।

उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय से भी फंसे हुए नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने फंसे हुए नागरिकों की मदद के लिए एक खास वॉट्सऐप नंबर जारी किया है। राज्य सरकार ने फंसे हुए यात्रियों से मदद के लिए उस नंबर पर संपर्क करने की अपील की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में लिखा है कि खाड़ी देशों में पैदा हुए युद्ध के हालात की वजह से वहां फंसे महाराष्ट्र के अलग-अलग नागरिकों से राज्य सरकार संपर्क में है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार अलग-अलग एजेंसियों के संपर्क में हैं और केंद्र सरकार से भी लगातार संपर्क में हैं।

# एएसआई के साथ रिवॉल्वर को अनलोड करते समय हुआ हादसा, गोली लगने से मौके पर मौत

### पुलिस महकमे में छाया शोक

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा में एक दुखद हादसे में पुलिस विभाग के एएसआई महावीर सिंह की सर्विस रिवॉल्वर से चली गोली लगने से मौत हो गई। एएसआई महावीर सिंह अपने घर पर सर्विस रिवॉल्वर को अनलोड करते समय हुए हादसे में अपनी जान गंवा बैठे। हाल ही में प्रमोशन के बाद वे एएसआई बने थे। इस घटना ने पूरे पुलिस महकमे और उनके परिवार को झकझोर कर रख दिया है। उनके पिता भी राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर रह चुके हैं।

कोतवाली थाने में तैनात एएसआई महावीर सिंह रात की ड्यूटी खत्म कर सुबह करीब 8 बजे अपने घर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद उन्होंने वर्दी बदली और अपनी सर्विस रिवॉल्वर को सुरक्षित रखने के लिए उसमें से कारतूस निकालने लगे। जब वे रिवॉल्वर से कारतूस निकाल रहे थे, तभी अचानक एक गोली चल गई। घटना के समय उनकी पत्नी भी वहीं मौजूद थीं, जो उनके लिए चाय लेकर आई थीं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन सहित अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल और एमओबी टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतक एएसआई महावीर सिंह का शव पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया है।

महावीर सिंह के चचेरे भाई प्रताप सिंह ने कहा कि वे मेरे बड़े भाई जैसे थे और बेहद बहादुर पुलिस अधिकारी थे। वे रात को ड्यूटी पर थे और सुबह करीब आठ बजे पुलिस ग्रुप में मैसेज भी किया था। इसके बाद घर पहुंचे और कपड़े बदलने के बाद अपनी सर्विस रिवॉल्वर को अनलोड करने लगे। उन्होंने तीन कारतूस निकालकर बैग में रख दिए थे और चौथा कारतूस निकालते समय अचानक फायर हो गया। दुर्भाग्य से गोली सीधे उनके सिर में जा लगी। उस समय उनकी पत्नी चाय लेकर कमरे में पहुंची थीं। महावीर सिंह कह रहे थे कि घर में लोडेड गन रखना ठीक नहीं है, इसलिए वे कारतूस निकाल रहे थे।

वहीं सीओ सिटी सज्जन सिंह ने कहा कि सुबह सूचना मिली थी कि थाना कोतवाली में तैनात एएसआई महावीर सिंह ड्यूटी से घर लौटने के बाद अपने घर पर मृत पाए गए। सूचना मिलते ही एफएसएल टीम, एमओबी टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# दर्दनाक हादसे में महिला की मौत, तेज रफ्तार ट्रेक्टर से नीचे गिरी, मौके पर तोड़ा दम

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां राजीव गांधी ऑडिटोरियम के बाहर तेज रफ्तार से दौड़ रहे ट्रैक्टर से संतुलन बिगड़ने के बाद गिरने के कारण एक महिला की ट्रैक्टर से कुचल जाने से मौके पर ही दर्दनाक मौत गई।हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। वहीं सूचना पर सुभाष नगर थाना पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसके शव को मोचरी में शिफ्ट करवाया गया है।

परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी। मृतका की पहचान कमला देवी भील के रूप में हुई है। फिलहाल सुभाष नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रैक्टर मजदूर चौराहे की तरफ जा रहा था। ट्रैक्टर में दो महिलाएं, दो युवक और एक चालक सवार थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से कमला देवी ट्रैक्टर से नीचे गिर गई। नीचे गिरते ही उसके ऊपर से ट्रैक्टर का पहिया फिर गया। और कमला देवी की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दो युवकों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

# ओडों का खेड़ा में फिर गरमाया माहौलः घायल युवक की मौत की अफवाह पर हुआ पथराव, पुलिस ने संभाला मोर्चा

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** शहर के हरणी महादेव रोड स्थित ओडों का खेड़ा बस्ती में शुक्रवार सुबह एक बार फिर माहौल गरमा गया। पिछले दिनों हुए खूनी संघर्ष में घायल एक युवक की मौत की झूठी अफवाह फैलने के बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपी पक्ष के घरों पर पथराव कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने पिछले दिनों हुए खूनी संघर्ष मामले में अब तक दो महिलाओं सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाल शिवराज गुर्जर के अनुसार, ओडों का खेड़ा में पिछले दिनों दो पक्षों के बीच लाठी-भाटा जंग हुई थी, जिसमें महेंद्र, रतन और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गंभीर घायल महेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया था।फिर परिजन उसे इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल ले गए। शुक्रवार को जब उसे निजी अस्पताल से वापस जिला अस्पताल लाया गया, तो बस्ती में किसी ने उसकी मौत की अफवाह फैला दी। इस खबर से गुस्साए लोगों और महिलाओं की भीड़ ने आरोपियों के घरों पर हमला बोल दिया और पत्थरबाजी की।

तनाव की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भारी जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत स्पष्ट किया कि महेंद्र जीवित है और जिला अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। इसके बाद भीड़ को तितर-बितर कर बस्ती में शांति व्यवस्था कायम की गई। सुरक्षा के मद्देनजर बस्ती में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

खूनी संघर्ष और हमले के इस मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। कोतवाल ने बताया कि गुरुवार को पेमा ओड, प्रकाश ओड और विनोद ओड को गिरफ्तार किया गया था, वहीं शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए प्रकाशी, रतनी और रतन को भी सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

### राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष ने ली समीक्षा बैठक, किसानों के हितों को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश

# कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के किसान तक पहुंचे- सी आर चौधरी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष श्री सी.आर. चौधरी ने शुक्रवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कृषि एवं किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में किसानों की समस्याओं, कृषि विकास कार्यक्रमों तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष श्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जाए तथा उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसानों के हितों की रक्षा और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जिले में फसल उत्पादन, उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता, कीट-रोग नियंत्रण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसल विविधीकरण, आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिये उन्होने कहा कि सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों ने जिले में संचालित कृषि योजनाओं की प्रगति के बारे में प्रोजेक्टर पर पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की, इस अवसर पर कृषि विभाग के सहित निदेशक विनोद कुमार जैन, उद्यान विभाग के उपनिदेशक शंकर सिंह राठौड़ आत्मा के परियोजना निदेशक संतोष तंवर, सहायक निदेशक धीरेंद्र सिंह राठौड़, सहायक निदेशक मुख्यालय किशन गोपाल जाट सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

# गहनोली में फायरिंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, अवैध 315 बोर देशी कट्टा बरामद

स्मार्ट हलचल

महवा (दौसा)। दौसा जिले के महवा थाना पुलिस ने गहनोली गांव में हुई फायरिंग की घटना में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध 315 बोर का देशी कट्टा भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक दौसा आईपीएस सागर राणा के निर्देशानुसार तथा जयपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस राहुल प्रकाश आईपीएस के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमन्त कलाल आईपीएस के निर्देशन और वृत्ताधिकारी महवा मनोहरलाल मीना आरपीएस के सुपरविजन में थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार मीना के नेतृत्व में गठित टीम ने यह सफलता हासिल की।

जानकारी के अनुसार 3 मार्च 2026 को परिवादी भूरसिंह गुर्जर (62) निवासी गहनोली ने महवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 2 मार्च को होली के दौरान उनके भतीजे राजेन्द्र और अभिषेक के बीच कहासुनी हो गई थी। उसी विवाद के चलते रात करीब 11 बजे आरोपी अपने साथियों के साथ परिवादी के घर के पास पहुंचा और हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

पुलिस ने मामले में प्रकरण संख्या 97/25 धारा 189(2), 109(1), 351(2) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वांछित आरोपी अभिषेक प्रजापत (21) पुत्र टीकाराम सिंह प्रजापत निवासी गहनोली को 4 मार्च 2026 को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा 315 बोर बरामद किया गया।

# गौ सेवा, पौधारोपण और सामाजिक एकता के साथ धूमधाम से मनाया गया शोभाराम पांचाल (धामनिया) का जन्मदिन

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** समाज सेवा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शोभाराम पांचाल (धामनिया) का जन्मदिन गुरुवार को विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ बड़े उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रमों में समाज के वरिष्ठजन, अधिकारी और युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11 बजकर 15 मिनट पर सृष्टि के रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा जी के श्री चरणों में दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने भगवान विश्वकर्मा से समाज की उन्नति और खुशहाली की कामना की।

इसके बाद दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर भीलवाड़ा शहर के तिलक नगर स्थित पांचाल छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना आज के समय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

वहीं दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर गौशाला पहुंचकर गौ माता को हरी घास व गुड़ खिलाकर गौ सेवा की गई तथा गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा को भारतीय संस्कृति की महान परंपरा बताते हुए इसे समाज के लिए पुण्य का कार्य बताया गया। शाम 4 बजकर 15 मिनट पर पांचाल छात्रावास परिसर में केक काटकर जन्मदिन समारोह आत्मीयता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद समाजजनों ने शोभाराम पांचाल (धामनिया) को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और समाज सेवा के कार्यों में निरंतर अग्रसर रहने की कामना की। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठजन, अधिकारी, कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे, जिससे पूरा कार्यक्रम सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक बन गया।

# गौ रक्षक की रक्षा एव दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु गुहार की

स्मार्ट हलचल

**आकोला।** मांडलगढ़ स्थानीय उपखण्ड कार्यालय में उपस्थित हो कर उपखण्ड अधिकारी को गो रक्षक दल एवं भांड का खेड़ा के ग्रामवासियों ने प्रार्थना पत्र देकर लोकेश पिता गोपाल लाल भांड निवासी भांड़ का खेड़ा के साथ मारपीट करने वाले दोषियों को गिरफ्तार कर मारपीट करने वालों से जान माल की सुरक्षा एवं न्याय प्रदान करने की मांग की।

ज्ञापन पत्र मे लोकेश पिता गोपाल लाल भांड निवासी भांड़ का खेड़ा ने 6 नामजद व्यक्ति राधेश्याम पिता बद्रीलाल ,भैरू पिता देवीलाल आदि को गिरफ्तार करने की मांग की है। उक्त नामजद व्यक्तियो ने हम सलाह होकर मारपीट की जिसमें गम्भीर चौटे पहुंची। ।नामजद व्यक्तियों की थाने में रिपोर्ट देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

विदित रहे 27 फरवरी को नामजद व्यक्ति राधेश्याम पिता बद्रीलाल भांड एवं उनके परिवार वालों ने उसके बाड़े में 27 फरवरी को सांड के दोनों सींग एवं पैर गर्दन से बांध कर भुखे प्यासे रखे हुए था नांदिया सांड गो वंश पर दया आ गई जिससे उसको लोकेश पिता गोपाल भांड ने खोल कर दिनांक 28 फरवरी को मुक्त कर दिया। जिसकी राधेश्याम को पता चला तो कहा कि हमने नन्दी सांड को मुश्किल से बांधा था।इसे मरने देता।इसे तूने क्यों खोला।रात 11 बजे हम सलाह होकर मेरे तथा परिवार के सदस्यों के साथ घर में जबरन अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर मारपीट की। जिससे गम्भीर चौके आई। जिससे ग्रामीण मांडलगढ़ चिकित्सा लेकर गये। चोटिल मेरे जीजा को इलाज के दौरान हालत गम्भीर होने से मांडलगढ़ से भीलवाड़ा रेफर किया गया।थाना मांडलगढ़ पर घटना की रिपोर्ट दी गयी थी। लेकर कारवाई नहीं होने से मेरे एवं मेरे परिवार को जान-माल का खतरा है। हमारे साथ संगीन वारदात या अनहोनी घटना वे कर सकते हैं। अतः उपखण्ड अधिकारी मांडलगढ़ को गौ रक्षा दल एवं ग्रामवासियों ने गो रक्षक की रक्षा एवं हम सलाह मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार की।

# हिंदुस्तान जिंक ने सिल्वर रिकवरी पर एडवांस्ड रिसर्च के लिए वर्जीनिया टेक के साथ किया एमओयू

### साइंटिफिक रिसर्च और ग्लोबल एकेडमिक पार्टनरशिप के जरिए मेटलर्जिकल कैपेबिलिटी को मजबूत करना उद्धेश्य

स्मार्ट हलचल

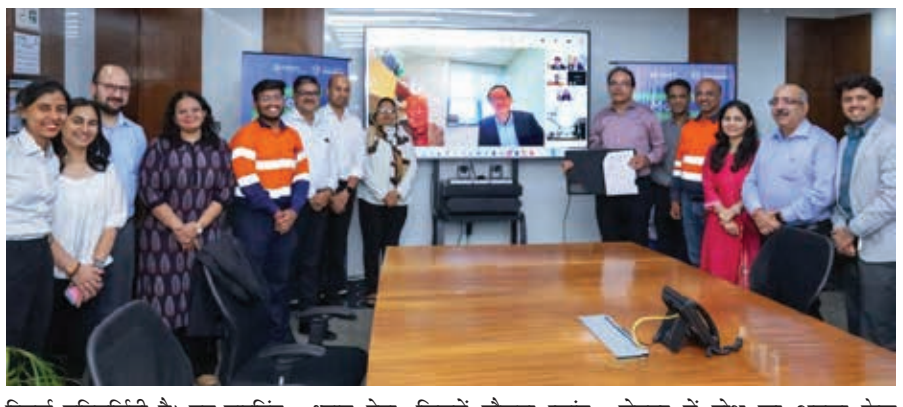

**भीलवाड़ा।** विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक एवं टॉप पाँच सिल्वर उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक ने वर्जीनिया टेक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए है जिसके तहत् स्पेशल प्रोसेसिंग प्लांट जहाँ माइन किए गए ओर को फ्लोटेशन के जरिए ट्रीट कर लेड, जिंक और सिल्वर जैसे कीमती मेटल को अलग और कंसंट्रेट किया जाता है, लेड-जिंक कंसंट्रेटर में सिल्वर रिकवरी को बेहतर बनाने पर फोकस्ड रिसर्च को आगे बढ़ाया जा सके। इसके हिस्से के तौर पर, प्रोसेसिंग के दौरान मेटल को अलग और कंसंट्रेट करने में मदद करने के लिए मिलाए जाने वाले स्पेशल केमिकल, फ्लोटेशन मेथड को बेहतर बनाने और रिएजेंट के इस्तेमाल को ऑप्टिमाइज करने के लिए फोकस्ड साइंटिफिक अध्ययन किया जाएगा, जिससे बेहतर कंसंट्रेट क्वालिटी और अधिक एफिशिएंट प्लांट ऑपरेशन में सहायता मिलेगी। वर्जीनिया टेक, ब्लैक्सबर्ग, वर्जीनिया में मौजूद एक जानी-मानी पब्लिक लैंड-ग्रांट रिसर्च यूनिवर्सिटी है। यह माइनिंग इंजीनियरिंग, मिनरल प्रोसेसिंग और एप्लाइड मेटलर्जिकल रिसर्च में अपनी एक्सपर्टीज के लिए जानी जाती है। इस पार्टनरशिप के जरिए, हिन्दुस्तान ज़िंक ग्लोबल रिसर्च नजरिए और टेक्निकल जानकारी के उपयोग के लिए यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे प्रोसेस की बेहतर समझ और इसके कंसंट्रेटर ऑपरेशन में लगातार सुधार में मदद मिलेगी। यह कोलेबोरेशन हिंदुस्तान जिंक के लेड जिंक कंसंट्रेटर में सिल्वर रिकवरी को बढ़ाने के लिए एक गहरी साइंटिफिक समझ बनाने पर प्रमुख ध्यान देगा, जिसमें मौजूदा प्लांट कॉन्फिगरेशन के साथ-साथ भविष्य के ओर टाइप में होने वाले बदलावों पर भी विचार किया जाएगा। यह स्टडी फ्लोटेशन सेलेक्टिविटी और ओवरऑल मेटल रिकवरी पर असर डालने वाले मुख्य मेटलर्जिकल फैक्टर की जांच करेगी, जिसमें खास तौर पर रिएजेंट-मिनरल-वॉटर इंटरैक्शन पर जोर दिया जाएगा जो प्रोसेस स्टेबिलिटी और कंसंट्रेट क्वालिटी में अहम भूमिका निभाते हैं। इस उपलब्धि पर हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि ' हमारा मानना है कि मेटल और माइनिंग सेक्टर में ग्रोथ का अगला फेज साइंस, इनोवेशन और कोलेबोरेशन से चलेगा। वर्जीनिया टेक के साथ हमारी पार्टनरशिप हमारे नॉलेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और भविष्य के लिए हमारे ऑपरेशन्स को तैयार करने में आवश्यक कदम है। विश्व के बड़े संस्थानों के साथ काम करके, हम ऐसी क्षमता बनाना जारी रखेंगे जो माइनिंग एक्सीलेंस की आने वाली पीढ़ी को परिभाषित करेंगी। वर्जीनिया टेक में माइनिंग और मिनरल्स इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के हेड, एरॉन नोबल ने कहा कि, 'हिन्दुस्तान ज़िंक के साथ यह पार्टनरशिप ऐसे कोलेबोरेशन को दिखाती है जो मीनिंगफुल इम्पैक्ट डालता है।' 'इंडस्ट्री के साथ सीधे जुड़कर हम मिनरल रिकवरी पर अपनी कटिंग-एज रिसर्च को ऑपरेशनल चैलेंज एवं अवसरों पर लागू कर सकते हैं। इससे यह सुनिश्चत होगा कि हमारी खोज और जानकारी को आगे बढ़ाने से हम और भी आगे जाएं। हम इस रिसर्च को अधिक प्रभावी रिसोर्स उपयोग, मजबूत सप्लाई चेन और बड़े माइनिंग सेक्टर के लिए टैंजिबल बेनिफिट्स में परिवर्तित कर रहे हैं।' यह प्रोजेक्ट अधिक प्रोसेस स्टेबिलिटी, बेहतर कंसंट्रेट क्वालिटी और एक जैसे ऑपरेटिंग नतीजों को सहयोग करने के लिए ऑप्टिमाइज्ड ऑपरेटिंग अप्रोच और रिएजेंट सिस्टम को डिफाइन करने की दिशा में भी काम करेगा। परिणामस्वरूप शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों तरह की स्ट्रेटेजी बनाने में मदद करेंगे, जिन्हें डायग्नोस्टिक्स, लैबोरेटरी इवैल्यूएशन और टेक्निकल असेसमेंट से सपोर्ट मिलेगा, जिन्हें ऑपरेशन्स में प्रैक्टिकल इम्प्लीमेंटेशन के लिए डिजाइन किया गया है। इस पार्टनरशिप का एक मुख्य हिस्सा हिन्दुस्तान ज़िंक की टीम के लिए नॉलेज ट्रांसफर और टेक्निकल कैपेसिटी बिल्डिंग होगा, जिसमें प्लांट ऑप्टिमाइजेशन, रिएजेंट स्ट्रेटेजी और प्रोसेस इम्प्रूवमेंट पर फोकस करने वाले स्ट्रक्चर्ड वर्कशॉप, ट्रेनिंग सेशन और टेक्निकल एक्सचेंज होंगे। यह कोलेबोरेशन ग्लोबल पार्टनरशिप के जरिए अपनी टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कैपेबिलिटी को मजबूत करने पर हिन्दुस्तान ज़िंक के रणनितिक फोकस को और मजबूत करता है। पिछले कुछ वर्षो में, कंपनी ने मिनरल प्रोसेसिंग, क्रिटिकल मेटल्स रिसर्च, जिंक-बेस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी और प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन से जुड़े इनिशिएटिव पर आईआईटी सीएसआईआर लैबोरेटरीज और जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च जैसे बड़े एकेडमिक और रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ कार्य किया है। इन कोलेबोरेशन ने इन-हाउस टेक्निकल कैपेबिलिटी बनाने, इनोवेशन को तेज करने और टेक्नोलॉजी-फर्स्ट, फ्यूचर-रेडी मेटल्स कंपनी हिन्दुस्तान जिंक के लॉन्ग-टर्म विजन को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभाई है।

# दो किलो अवैध अफीम के साथ दो गिरफ्तार

**बेगूं।** पारसोली थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार में तस्करी कर ले जाई जा रही दो किलो अफीम जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पारसोली थानाधिकारी ठाकराराम जाप्ते के साथ कोटा-चित्तौड़ के गोपालपुरा में नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान वहां आई ब्रेजा कार को रूकवा कर कार में बैठे दो युवकों से नाम पता पूछा तो उन्होने अपना नाम हिम्मत कुमार उर्फ कचरू पिता बालू लाल शर्मा नवासी धनोरा थाना बेगूं जिला चित्तौड़गढ़ एवं गणेश लाल पिता सुरजमल जाट निवासी बाबरिया खेड़ा थाना आकोला जिला चित्तौड़गढ़ होना बताया। कार की तलाशी लेने पर कार में रखी दो पारदर्शी थैलियों में 2 किलो 20 ग्राम अवैध अफीम पाई गई जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर दोनो आरोपियों को मादक पदार्थ तस्करी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। प्रकरण का अनुसंधान बेगूं थानाधिकारी कमलचंद मीणा द्वारा किया जा रहा है।

# खाकी के साथ 'डिजिटल कवच': आसींद की पहली महिला थाना अधिकारी श्रद्धा पचौरी बनीं आत्मनिर्भरता का चेहरा

स्मार्ट हलचल

**आसींद।** 'जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है, तो वह न केवल अपना बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारती है।' यह शब्द हैं भीलवाड़ा जिले के आसींद थाने की कमान संभाल रहीं सीआई श्रद्धा पचौरी के। भरतपुर से राजस्थान पुलिस में उपनिरीक्षक के रूप में अपने सफर की शुरुआत करने वाली श्रद्धा पचौरी आज अपनी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के दम पर न केवल पुलिस निरीक्षक बनी हैं, बल्कि आसींद थाने के इतिहास में पहली महिला थाना अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रही हैं।

### अनुभव और चुनौतियों से भरा सफर

सीआई श्रद्धा पचौरी का पुलिसिंग करियर उपलब्धियों और कड़े अनुभवों की भट्टी में तपकर निखरा है। आसींद से पूर्व उन्होंने भीलवाड़ा के शक्करगढ़ और काछौला जैसे चुनौतीपूर्ण थानों में एसएचओ के रूप में अपनी धाक जमाई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी कुशलता का प्रमाण इस बात से मिलता है कि उन्होंने क्षेत्र में संवेदनशील विधानसभा चुनाव भी अत्यंत शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न करवाए हैं।

### 'गिव टू गेन': समानता का नया वैश्विक मंत्र

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम 'गिव टू गेन' को धरातल पर उतारते हुए श्रद्धा पचौरी कहती हैं कि सहयोग और उदारता ही लैंगिक समानता का असली आधार है। उनके अनुसार, 'जब हम समाज को अपनी सुरक्षा, समय और जागरूकता का 'दान' देते हैं, तो बदले में हमें एक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर समाज का 'लाभ' प्राप्त होता है। '

### स्कूल-कॉलेजों में 'डिजिटल कवच' की पाठशाला

आसींद थाने का कार्यभार संभालने के बाद से ही सीआई पचौरी लगातार सक्रिय हैं। वे केवल ऑफिस तक सीमित न रहकर क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों में जाकर छात्राओं से सीधा संवाद कर रही हैं।

राजकोप सिटीजन एपः वे बालिकाओं को राज्य सरकार की 'डिजिटल कवच' योजना के तहत इस ऐप को डाउनलोड करने और इसके उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं।

आपातकालीन मददः हेल्पलाइन नंबर 1090, 100 और 112 की जानकारी देकर वे छात्राओं के भीतर से पुलिस का डर निकाल रही हैं। आत्मनिर्भरता संवादः उनका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को यह समझाना है कि शिक्षा और सजगता ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी।

### ग्रामीण बेटियों के लिए नई उम्मीद

एक महिला अधिकारी के रूप में श्रद्धा पचौरी का स्पष्ट संदेश है– 'ग्रामीण परिवेश की बेटियों को डरने की नहीं, बल्कि पढ़ने और निडर होकर आगे बढ़ने की जरूरत है।' वे एक ऐसी व्यवस्था बनाने में जुटी हैं जहाँ हर बेटी बिना किसी संकोच के पुलिस से संवाद कर सके और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके।

### स्टोरी के मुख्य आकर्षण:

भरतपुर से आसींद तकः राजस्थान पुलिस में एसआई से सीआई पद तक का प्रेरणादायी सफर।

**क्षेत्रीय अनुभवः** शक्करगढ़ और काछौला थानों में सफल नेतृत्व और विधानसभा चुनाव का प्रबंधन।

**ऐतिहासिक उपलब्धिः** आसींद थाने की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी।

**सक्रिय फील्ड वर्कः** स्कूलों और कॉलेजों में जाकर 'डिजिटल कवच' और राजकोप एप' के प्रति जागरूकता।

**2026 की थीमः** 'गिव टू गेन' अभियान के माध्यम से समाज में लैंगिक समानता का संदेश।

**सुरक्षा और परामर्शः** घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के विरुद्ध त्वरित कानूनी सहायता और काउंसलिंग।

## सीसीटीवी कैमरे से अफीम फसल की निगरानी

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** अब अफीम किसान भी अफीम की खेती की निगरानी रखने के लिए तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरे लगाकर भी घरों से भी निगरानी रख रहे हैं, अफीम खेती की सुरक्षा के लिए तारबन्दी की गई हैं, वहीं अफीम डोडे को पक्षियों से बचाने के लिए फसल के ऊपर जाल लगा रहे हैं । सवाईपुर सहित सोपुरा जाटों का, बड़ला, बनकाखेड़ा, सालरिया, डसाणिया का खेड़ा, खजीना गांवों में अफीम उत्पादक क्षेत्र होकर बड़े पैमाने पर नारकोटिक्स विभाग के निर्देश पर बुवाई होती है । इन दिनों अफीम की खेती यौवन पर है तथा डोडो पर चिरा लगातार लुवाई कि जा रही है । अफीम की फसल को अपने बच्चों की तरह पालने वाले किसान दिन रात सुरक्षा को लेकर चिंतित है । हालात यह है कि किसान अपने सारे जरूरी काम छोड़ कर खेतों की सुरक्षा में लगे हुए हैं । अंधेरी रात भी आंखों में निकल जाती है । अफीम की फसल से डोडे चोरी व नुकसान की आशंका में किसान झोपड़ियां बनाकर दिन रात खेतों पर डेरा डाले हुए हैं । इतना ही नहीं अफीम की सुरक्षा के लिए किसानों ने हाईटेक व्यवस्था करते हुए तीसरी आंख यानी सोलर सीसीटीवी कैमरे तक लगाए हैं ।

बड़ला गांव के अफीम काश्तकार बद्रीलाल तेली ने अफीम फसल पर निगरानी को लेकर सोलर सीसीटीवी कैमरा लगाया हुआ है । अफीम काश्तकार बद्रीलाल तेली बताते हैं कि उन्होंने अपने खेत पर सोलर सीसीटीवी कैमरा लगाया है, जो सीसीटीवी कैमरा मोबाइल फोन से कनेक्ट किया हुआ है, जिसके चलते वह घर के साथ ही कहीं से भी मोबाइल के जरिए फसल की निगरानी कर सकते है, ताकि खेत में कोई पशु पक्षी या अन्य कोई घुसा तो नहीं, उसकी जानकारी कैमरे की मदद से लग जाती और वही से आवाज देकर भगा सकते हैं, क्योंकि कमरे में एक स्पीकर लगा हुआ। सोलर कैमरा लगाने में अधिक खर्चा भी नहीं आता है और खेत की रखवाली भी आसानी से हो जाती है।

## चंवरा हनुमानजी मंदिर परिसर में गाडरी समाज की बैठक

### सामाजिक कुरीतियों पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

**आकोला।** बड़लियास चंवरा के हनुमानजी मंदिर परिसर में धनघर गाडरी समाज आम चौखला की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित हुई, जिसमें समाज के कई गणमान्य लोग एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

बैठक में समाज में फैली कुरीतियों और सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही झरना महादेव सेवा समिति, कोटाज श्याम सेवा समिति और हरणी महादेव सेवा समिति द्वारा लिए गए निर्णयों का समर्थन करते हुए उपस्थित सभी गाडरी समाज बंधुओं ने उन निर्णयों पर पूर्ण सहमति व्यक्त की।

बैठक की अध्यक्षता सुरजमल गाडरी निवासी जीवा खेड़ा सोहन लाल गाडरी ,खारों का खेड़ा, काना गंगा का खेड़ा और भंवर गाडरी सहित कई समाजन मौजूद रहे।

इस अवसर पर सिंगोली श्याम गाडरी समाज सेवा समिति (तहसील माण्डलगढ़-कोटड़ी, जिला भीलवाड़ा) का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का चयन समाज की सहमति से किया जाएगा अगली मीटिंग पर। और अगली मीटिंग रविवार 8 तारीख को 10.15 सुबह चवरा का बाला जी बडलियास परिसर में होगी समाज के वरिष्ठ व्यक्तियों ने आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे गाडरी समाज के बंधु।

## तुलछा का खेड़ा में होलिका दहन स्थल पर अतिक्रमण का आरोप

### तहसीलदार को दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | मोड़ का निंबाहेड़ा

आसिंद क्षेत्र के ग्राम तुलछा का खेड़ा के ग्रामीणों ने पारंपरिक होलिका दहन स्थल पर बाहरी व्यक्ति द्वारा अवैध अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और तोड़फोड़ का आरोप लगाते हुए तहसीलदार आसिंद को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि गाँव में कुमावत समाज का वर्षों पुराना पारंपरिक होलिका दहन स्थल स्थित है, जहां लंबे समय से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते

रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम करजालिया निवासी कैलाश शर्मा पुत्र गजानंद शर्मा तथा उनके परिवार के लोगों का इस भूमि से कोई कानूनी संबंध नहीं होने के बावजूद वे गाँव की सीमा में आकर सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार आरोपियों ने होलिका स्थल पर लगे हरे बबूल के पेड़ों को काट दिया तथा समाज द्वारा सुरक्षा के लिए लगाई गई तार की जाली (बाड़) को भी नष्ट कर दिया। जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए महिलाओं को आगे कर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी।

ग्रामीणों ने आसींद तहसीलदार से मांग की है कि सार्वजनिक भूमि पर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण और पेड़ों की कटाई के मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में इस धार्मिक स्थल पर किसी भी प्रकार के अवैध हस्तक्षेप को रोकने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाएं। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## पार्श्वनाथ तीर्थ क्षेत्र पर शनिवार को वार्षिक मेले के साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ।** कस्बे के दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र पर 7 मार्च शनिवार को भगवान पारसनाथ के केवल ज्ञान दिवस पर आयोजित वार्षिक मेले पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और यह कार्यक्रम दिगंबर जैन मुनि वैराग्य सागर महाराज और दिगंबर जैन मुनि सुप्रभ सागर महाराज के सानिध्य में संपन्न होंगे मेले की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है और मंदिरों पर सजावट रोशनी का कार्य चल रहा है

शनिवार को प्रातः काल 7:00 बजे बड़े बाबा मंदिर में शांति धारा अभिषेक प्रातः 7:30 बजे पारस मंडल विधान सामूहिक पूजन केवल ज्ञानस्थली पर और उसके बाद प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण

भीलवाड़ा के विनोद कुमार सोमेश कुमार ठग परिवार द्वारा किया जाएगा दोपहर 1:30 बजे कमेटी का खुला अधिवेशन जिसमें आय और व्यय का ब्योर। प्रस्तुत किया जाएगा दानदाता परिवारों का सम्मान भी किया जाएगा। दोपहर 3:30 बजे मुनिश्री के मंगल प्रवचन और शाम को 4:00 बजे केवल ज्ञान स्थल पर भगवान पारसनाथ का महा मस्त का अभिषेक का कार्यक्रम संपन्न होगा।

## मांडल सीओ जोशी के समर्थन में ग्रामीणों ने किया कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन, असामजिक तत्वों पर कार्यवाही करने की मांग

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा जिले के मांडल कस्बे में सामुदायिक भवन को आयुष्मान आरोग्य मंदिर ( जनता क्लिनिक ) बदलने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इसको लेकर ग्रामीणों ने पुलिस उप अधीक्षक मांडल राहुल जोशी के समर्थन में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और प्रदर्शन के बाद उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। जिसमें मांडल गाँव में जनता क्लिनिक के स्थान परिवर्तन के बावजूद असामाजिक तत्वों द्वारा बार-बार विवाद उत्पन्न करने एवं राजकार्य रोकने के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की है। ग्रामीण अंतिम व्यास

ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा माण्डल गाँव की जनता की सुविधा के लिए शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लिनिक) स्वीकृत किया गया है। वर्तमान में क्लिनिक के लिए स्वतंत्र भवन उपलब्ध न होने के कारण, प्रशासन द्वारा अस्थाई रूप से इसे सरकारी सामुदायिक भवन में संचालित करने का आदेश जारी किया गया था। इसको लेकर कुछ असामाजिक तत्व लगातार अराजकता फैला रहे हैं। सामुदायिक भवन में क्लिनिक खोलने का विरोध होने पर प्रशासन और ग्रामीणों ने विवाद टालने के लिए क्लिनिक को दूसरी जगह (वैकल्पिक स्थान) पर शिफ्ट करने का निर्णय लेकर अन्यत्र शिफ्ट कर दिया। स्थान परिवर्तन करने के बावजूद, वही असामाजिक तत्व वापस विवाद उत्पन्न कर रहे है। इन्होंने मौके पर तैनात पुलिस उपाधीक्षक के साथ अभद्रता की हैं पुलिस उपाधीक्षक द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने पर ग्रामवासियों के निवेदन पर उनके द्वारा ग्रामवासियों का सहयोग करते हुए वापस छोड़ दिया गया। हमारी मांग है कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ जो बार-बार स्थान बदलने के बाद भी व्यवधान डाल रहे हैं। हम चाहते हैं कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए और पुलिस उपाधीक्षक के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होनी चाहिए।

## बानोड़ा बालाजी के श्री राम दिव्य रथ का बनकाखेड़ा में स्वागत

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** सवाईपुर कस्बे के निकटवर्ती बनकाखेड़ा गांव में शुक्रवार को बानोड़ा बालाजी के श्री राम दिव्य रथ को ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया । बालाजी का रथ आज शुक्रवार को धूमड़ास बन्नी के देवनारायण भगवान से बनकाखेड़ा में मोचडिया के मंड देवनारायण भगवान के यहां पहुंचा, इसी दौरान बनकाखेड़ा गांव के मुख्य चौराहे पर ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना की और माला व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया, इस दौरान सवाईपुर व ढ़ेलाणा के ग्रामीणों द्वारा भी रथ का स्वागत किया गया । मोचडिया के मंड देवनारायण के यहां बानोड़ा बालाजी के तत्वावधान में श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ का आयोजन होगा । इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष मौजूद रहे।

## सीए सत्यनंदन बाहेती अध्यक्ष, सुशील बांगड़ सचिव सर्वसम्मति से मनोनित

### माहेश्वरी सेवा समिति तिलक नगर में बैठक सम्पन्न, लिए कई आवश्यक निर्णय

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** माहेश्वरी सेवा समिति तिलक नगर की बैठक कुंवाड़ा खान स्थित तेजाजी के स्थान पर आयोजित हुई। जिसमें समिति के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में समिति के संचालन एवं सदस्यता विस्तार, सांगठनिक मजबूती, सामाजिक कार्यों, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। साथ ही सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें सीए सत्यनंदन बाहेती अध्यक्ष, ओम डाड वरिष्ठ उपाध्यक्ष, केदार सोमानी एवं ओम सोमानी उपाध्यक्ष, राजेश

काष्ठ कोषाध्यक्ष, सुशील कुमार बांगड़ सचिव, पंकज काबरा सह सचिव, अशोक मूंदड़ा संगठन मंत्री तथा हितेश नाराणीवाल को प्रचार-प्रसार मंत्री नियुक्त किया गया। साथ ही संरक्षक के पद पर अशोक तुरकिया, परमेश्वर पोरवाल, एवं गोपाल डाड को मनोनीत किया गया। अंत मे सचिव सुशील कुमार बांगड ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

## मादक पदार्थ तस्करी का 6 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

**चित्तौड़गढ़।** जिले की मंगलवाड़ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में 6 साल से फरार वाहन मालिक को गिरफ्तार किया है। 30 जून 2019 को मंगलवाड़ पुलिस ने नाकाबन्दी के दौरान मोरवन टोल नाके के पास निम्बाहेड़ा की तरफ से आयी बिना नम्बरी पीले रंग की स्कूल बस में तस्करी किया जा रहा 8 क्विंटल 39 किलो 400 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त कर चालक प्रेमाराम पुत्र मंगलाराम जाट निवासी भेरा की ढाणी भाण्डु कला थाना बोरानाडा जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया था। जिस पर विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कार्यवाही करते हुए बिना नम्बरी स्कूल बस के मालिक सुरेश भाई उर्फ सुरेश गोस्वामी पुत्र संतोक भाई उर्फ संतोष गोस्वामी निवासी गजानंद सोमिल बाजवा थाना जवाहर नगर जिला वडोदरा गुजरात हाल अशोक नगर पुलिस थाना प्रतापनगर जिला जोधपुर पश्चिम (राज.) को गिरफ्तार कर लिया, जिसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

### मेवाड़ चैम्बर के सहयोग से कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें स्थापना दिवस पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

## कर्मचारियों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहा है ईएसआईसीः चौरसिया

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के सहयोग से सह-जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के विभिन्न उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों, उनके आश्रितों तथा उद्योग प्रबंधन को ईएसआईसी की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में उद्योगों के एचआर हेड, कर्मचारी तथा उनके आश्रित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उपक्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के निदेशक निखिल कुमार ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम

से निगम की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईएसआईसी कर्मचारियों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कई प्रकार की योजनाएं संचालित करता है। इन योजनाओं में आश्रित जनहित लाभ, निःशक्तता हित लाभ, चिकित्सा हितलाभ, मातृत्व हितलाभ तथा कोविड राहत योजना सहित अन्य कई सुविधाएं शामिल हैं। ईएसआईसी के उपक्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के संयुक्त निदेशक दीपक चौरसिया ने कहा कि भीलवाड़ा जिले में विभिन्न कंपनियों और उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए ईएसआईसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। निगम की टीम 'हम आपके द्वार' की भावना के साथ उद्योगों तक पहुंचकर कर्मचारियों को योजनाओं की जानकारी दे रही है, ताकि वे अपने अधिकारों और सुविधाओं के प्रति जागरूक हो सकें। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मुकेश तिवाड़ी ने ईएसआई चिकित्सालय एवं इसके अधीन संचालित डिस्पेंसरियां में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं और उपचार संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ईएसआईसी के माध्यम से कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर ईएसआई शाखा भीलवाड़ा के शाखा प्रबंधक ललित किशोर महावर ने भीलवाड़ा शाखा में उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी देते हुए पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न लेबर कोड, पंजीयन प्रक्रिया और योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों, एचआर अधिकारियों और कर्मचारियों ने ईएसआईसी से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने संतोषजनक उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों को ईएसआईसी की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अन्य कर्मचारियों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। ईएसआईसी की प्रमुख योजनाओं में आश्रित जनहित लाभ, निःशक्तता हित लाभ, चिकित्सा हित लाभ, मातृत्व हित लाभ, कोविड राहत योजना, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं शामिल है।

## राष्ट्र सेविका समिति के तत्वावधान में भव्य फागोत्सव आयोजित

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** राष्ट्र सेविका समिति, भीलवाड़ा विभाग द्वारा विभाग कार्यवाहिका मनीषा जाजू के निवास पर हर्षोल्लास के साथ फागोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए फाग और होली के पारंपरिक रंगों का आनंद लिया। प्रांत तरुणी प्रमुख कीर्ति सोलंकी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विनीता तापड़िया एवं उनकी सखियों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। उपस्थित सेविकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में फूलों की होली खेलते हुए फागुनी भजनों पर जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राधा-कृष्ण के भजनों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए गए। जिसमें समिति की लगभग तीन सौ बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं के इस रंगोत्सव को उल्लासपूर्वक मनाया। आरती और प्रसाद वितरण के साथ फागोत्सव का समापन हुआ।

# सरकार से आर पार के मूड में शिक्षक संघ सियाराम: रिक्त पदों को शीघ्र भरने, जर्जर शाला भवन मरम्मत करने, पदोन्नति ओर स्थानांतरण को लेकर माहौल गरमाया

## सरकारी स्कूलों में बज़ट के लाले, सरकार के निकले दिवाले, सत्र समापन की और अभी तक 90% बजट आवंटन नहीं हुआ

स्मार्ट हलचल| बांसवाड़ा

राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग में आए दिन नवाचार के नाम पर तुगलगी आदेशों से परेशान शिक्षकों कर्मचारियों ने अपने विद्यालय में संगठनों को न केवल आड़े हाथों लेने के चलते शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ओर शिक्षा अधिकारीयो के समक्ष हर संगठन ने कड़ा आक्रोश जताया और जर्जर शाला भवन के छाया चित्रों ओर मीडिया की न्यूज कटिंगों की कतरनों की फाइल भेंट कर शीघ्र समाधान की मांग की गई। भवन मरम्मत ओर नव निर्माण में शिक्षकों की कोई भूमिका नहीं होती हैं तो फिर जर्जर खंडहरों खस्ताहाल स्कूलों के भवन गिरने पर शिक्षक कर्मचारी क्यों निलम्बित होते है ?

शिक्षक संघ सियाराम ने विभिन्न शिक्षक संघो की राज्य सरकार द्वारा आयोजित जयपुर बैठक में पुरजोर शब्दों में कहा कि भवन मरम्मत ओर नव निर्माण में शिक्षकों की कोई भूमिका नहीं होती हैं तो फिर जर्जर खंडहरों खस्ताहाल स्कूलों के भवन गिरने पर शिक्षक कर्मचारी क्यों निलम्बित होते है ।

### राजा का दण्ड फ़कीर को देने वाली कागज़ी सरकार

यह प्रश्न चिन्ह राज्य सरकार पर है विभिन्न संगठन ने राजा का दण्ड फ़कीर को दिए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि राजस्थान में सरकारी स्कूलों के भवन, कक्षा कक्ष, चार दिवारी, सहित एम डी एम कक्ष अत्यन्त जर्जर ओर खस्ताहाल है किन्तु राज्य सरकार केवल पत्राचार, सर्वे ओर कागज़ी कार्यवाही में व्यस्त हैं लेकिन धरातल पर कोई प्रगति नहीं है।

### शिक्षा मंत्री जी दो मुख्य विभागों के मंत्री, बयान केवल शिक्षा विभाग पर ही क्यों?

शिक्षा मंत्री जी दो मुख्य विभागों के

मंत्री है किन्तु बयान केवल शिक्षा विभाग पर ही देते है जबकि अधिकाश स्कूलों की समस्याओं का जनक उनका ही दूसरा विभाग पंचायत राज विभाग है क्योंकि अधिकांश विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में आते है किन्तु सुविधाओं पर मौन क्यों है शैक्षिक सत्र समाप्त होने को है किन्तु राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान बज़ट एस एन ए के ठोर ठिकाने नहीं है व्यापारियों ने सरकारी स्कूलों को उधार देने से इंकार कर दिया है कि पूर्व का बकाया जमा कराने पर ही आगे सामग्री दी जाएगी।

### राजस्थान भर में शिक्षकों के डेढ़ लाख पद विभिन्न संवर्ग के खाली

इधर राजस्थान भर में शिक्षकों के डेढ़ लाख पद विभिन्न संवर्ग के खाली है और पदोन्नतियां रुकी हुई हैं जबकि वर्ष में दो बार पदोन्नतियां करने के कागजी आदेश जारी कर रखें है वास्तविक धरातल पर तृतीय वेतन श्रृंखला के छः वर्ष से,उसमें भी वाणिज्य संकाय के दो दशक से पदोन्नति नहीं हुई है और द्वितीय वेतन श्रृंखला की चार वर्ष से,व्याख्याताओं की तीन साल की ओर उप प्रधानाचार्य एवम् प्रधानाचार्य के पदोन्नति पर पदस्थापन एक साल से लम्बित है तथापि राज्य सरकार 50%स्टॉफ से दुगना कार्य लेकर शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम गुणवत्ता युक्त मांगती हैं। पद नहीं भर कर बज़ट जारी कर पैसे बचा रही है सरकार?

राज्य सरकार की कथनी करनी में विभेद करती, स्थानांतरण उद्योग बना

स्थानांतरण को लेकर सभी संगठनों के सदस्यों ने बैठक में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि डिजायर के नाम पर हफ्ता वसूली ओर दुकानदारी चल रही हैं लेकिन धरातल पर तृतीय वेतन श्रृंखला के पांच साल से स्थानांतरण लम्बित हैं जोकि निन्दनीय है जो स्थानांतरण चाहते है उनका नहीं हो रहा हैं और जो नहीं चाहते उनका दूरस्थ अन्तर जिला किया जा रहा हैं और बाद में सत्ता धारियों के कार्यकर्ता सेटिंग कर निरस्त करवा रहे हैं जोकि राज्य सरकार की कथनी करनी में विभेद करती है । उधर राजस्थान भर में परीक्षा प्रश्न पत्र बोर्ड परीक्षा पांचवीं कक्षा,आठवीं कक्षा,दसवीं कक्षा बारहवीं कक्षा से लेकर स्थानीय परीक्षाओं के प्रश्न पत्र थानों में रखवाए गए है किन्तु प्रश्न पत्र लाने एस्कॉर्ट करके सुरक्षित लाने,ले - जाने ओर उत्तर पुस्तिकाओ के बंडल संग्रहण केंद्र पर जमा करवाने की कोई राशि आवंटन आज तक वर्षों से विद्यालय को नहीं दे रही है सरकार और मापदंड ओर पारदर्शिता, परिशुद्धता के नाम पर तुगलगी आदेशों से शिक्षकों कर्मचारियों का आर्थिक शोषण कर रही हैं राजस्थान सरकार । राज्य सरकार द्वारा हर तीसरे आदेशों में उक्त कार्य जनसहयोग से पूर्ण करने के आदेश जारी हो ते है टीएसपी परिक्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में कोई सहयोग नहीं देता है और संस्था प्रधान अथवा स्टॉफ साथियों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाता हैं।

### राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम 83 सूत्री मांग पत्र प्रस्तुत किया

इधर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के प्रदेश प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने राजस्थान सरकार से अनुरोध करते हुए विद्यार्थियो, स्टॉफ शिक्षकों के मूत्रालय शौचालय निर्माण करने,कक्षा कक्ष निर्माण करने, सभी कार्मिक संवर्ग की पदोन्नतियां करने, डेढ़ लाख पद विभिन्न संवर्ग के भरने, सहित टीएसपी परिक्षेत्रों में शाला भवनों के मरम्मत बज़ट जारी करने, पांच वर्ष से रुके हुए यात्रा व्यय, चिकित्सा बजट आवंटन कराए जाने, खेल मैदान भूमि पर से अतिक्रमण हटाने,खेल बज़ट जारी करने सहित 83 सूत्री मांग पत्र प्रस्तुत किया।

# आम मेवाड़ खटीक समाज की बैठक मातृकुंडिया में संपन्न

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

गुरुवार को आम मेवाड़ खटीक समाज की बैठक मातृकुंडिया मैं संपन्न हुई बैठक में भीलवाड़ा चित्तौड़ उदयपुर और राजसमंद जिले से समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और सर्व सहमति से सभी समाज के पंचों ने मिलकर माननीय शांतिलाल जी खटीक राशमी को आम मेवाड़ खटीक समाज का संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया समाज के सभी मौतबीरो की सहमति से संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री शांति लाल जी खटीक ने कहा कि आने वाले समय में एक कमेटी का गठन कर हर जिले से अधिक समाज जनों को संगठन से जोड़ा जाएगा तत्पश्चात लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से वोटिंग करवा कर अध्यक्ष का चुनाव करेंगे! तब तक के लिए श्री शांतिलाल जी खटीक राशमी को कार्यकारी अध्यक्ष रहेंगे मीटिंग में पधारे संपूर्ण मेवाड़ से आए खटीक समाज के पंचों और बुद्धिजीवियों ने उक्त निर्णय लिया! बैठक में संभागीय अध्यक्ष श्री शांतिलाल जी ने पूर्ण पारदर्शिता के साथ कार्य कर अधिक अधिक समाज जनों को संगठन से जोड़ने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त कीए समाज में सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी उन्होंने सख्त निर्देश दिएए समाज में शिक्षा का प्रसारए कुरीतियों के उन्मूलन और समाज सुधारए आर्थिक दृष्टि से कमजोर बच्चों की पढ़ाई और विवाह के लिए सहायता आदि पर ध्यान देने पर जोर दिया गयाएबैठक में कार्यकारिणी के सदस्य श्री श्याम जी चौहान गिलूण्डएपूर्व प्रधान श्री भेरुलाल जी राशमीए श्री लाभचंद जी खोईवाल कुंडियाए किशन लाल जी टेपन कुरजएचुन्नीलाल जी हरनाथपुराए अरुण जी नीमावत उदयपुरए राजू जी खोईवाल घोसुंडाए पूर्व संभागीय अध्यक्ष बाबू लाल तोशावड़ाए राजनगर खटीक समाज अध्यक्ष श्री प्यारेलाल जीए रमेश जी बोरीवाल चित्तौड़ए गोवर्धन जी पहाड़िया फतहनगर सरपंच भदेसर प्रकाश जी सरपंच सुरावास ताराचंद जीए अंबेडकर वेलफेयर मेमोरियल सोसायटी राजसमंद के अध्यक्ष राधेश्याम जी बोलीवाल ए एडवोकेट ईश्वर खटीकएदेवी लाल कोठारियाए बाबू लाल जी भीण्डर ;आयड द्धसहित भारी संख्या मै चित्तौड़ उदयपुर भीलवाड़ा राजसमंद से समाज.जन उपस्थित रहे।

# फाल्गुन गीतों की फुहार के साथ होली मिलन समारोह सम्पन्न

### मातुश्री क्लब की सखियों ने होली के गीतों पर दी रंगारंग प्रस्तुतियां

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

मातुश्री महिला क्बल उदयपुर की ओर से शुक्रवार को संस्थापक कौशल्या गट्टानी के नेतृत्व में फाल्गुन गीतों की फुहारों साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मातुश्री क्लब की आशा कोठारी ने बताया कि होली मिलन समारोह में अन्नु कोठारी ग्रुप व सुमन मंत्री ग्रुप ने हास्य नाटिका पर प्रस्तुति दी। कुसुम मारू ग्रुप, साधना खतुरिया ग्रुप, कल्पना तिवारी ग्रुप ने फाल्गुन के गीतों की प्रस्तुति दी। वहीं हेमलता शर्मा व अलका व्यास ग्रुप ने एकल नृत्य कर समा बांध दिया।

सभी सदस्यों ने फूलों के साथ होली खेली। महिला सदस्यों ने फागोत्सव की थीम पर रंग-बिरंगी एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक लोकगीतों, मनमोहक नृत्यों तथा होली के उत्सवी रंगों से सजी प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह उल्लासमय बना दिया। उपस्थित दर्शक भाव-विभोर होकर तालियों की गडगड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे। सभी को क्लब की ओर से पुरस्कार वितरित किए गए। मातुश्री क्लब की सदस्याएं ने फागणिया व पिलिया ड्रेस कोड में नजर आई। इस अवसर पर क्लब की संरक्षिक जनक बांगड़, अध्यक्षा आभा झंवर, सचिव सुनिता शर्मा ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान मातुश्री क्लब की 70 से अधिक महिलाएं मौजूद रही।

# ट्रैक्टर चालक ने टेंपो को टक्कर मारी चार महिलाओं सहित चालक गंभीर रूप से घायल

स्मार्ट हलचल

नगरफोर्ट थाना क्षेत्र धारोला रोड पर शुक्रवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में 4 महिलाओं सहित एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए । ये सभी सुबह नगरफोर्ट कस्बे से मजदूरी करने के लिए धारोला गांव में सरसों की लावणी ( कटाई ) करने के लिए टेंपो में निकले थे । लेकिन, रास्ते मे एक ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो पलट गया और मौके पर ही महिलाओं सहित चालक घायल हो गए । टेंपो पलटते ही मोके पर महिलाओं की चीख पुकार मच गई ।

थानाधिकारी बाबू लाल मीणा ( सीआई ) ने बताया कि शुक्रवार को कस्बे से 8- 10 महिलाएं मजदूरी करने के लिए पास के गांव धारोला में सरसों की लावणी ( कटाई ) करने के लिए टेंपो में जा रहे थे ,की अचानक पीछे से बालू मिट्टी का भरा ट्रेक्टर- ट्रॉली आई और टेम्पो के टक्कर मार दी ,टक्कर मारने के बाद टेंपो पलट गया,ओर चालक सहित चार महिलाओं के चोटे लगने से मोके पर ही घायल हो गए । ट्रेक्टर चालक मोके से ट्रेक्टर- ट्रॉली लेकर फरार हो गया । सूचना पर परिजन मोके पर पहुचे ओर घायलों को सीएससी नगरफोर्ट लाये जहा पर कंपाउडर रामसिंह मीना ने प्राथमिक उपचार शुरू किया । उसके बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कंपाउडर रामसिंह मीना ने बताया कि महिलाओं के पैर व सिर में चोटे आई है जिनका टांके लगाकर प्राथमिक उपचार किया गया ,लेकिन हालात गम्भीर होने से जिला अस्पताल टोंक रेफर कर दिया गया । जहाँ पर अन्य जांचे भी होने में सुविधा मिलेगी । वही थानाधिकारी बाबु लाल मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टया घायलों के मौका बयान लेकर जांच शुरू कर दी गई है । घायलों को इलाज के लिए टोंक जिले अस्पताल के लिए रेफर किया गया है ।

## 12वीं अर्न्तसंभागीय सिविल सेवा प्रतियोगिता 2025-26

# खेलों का रोमांच रहा चरम पर, समापन आज

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

कार्मिक विभाग तथा जिला प्रशासन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में चल रही 12वीं अर्न्तसंभागीय सिविल सेवा प्रतियोगिता 2025-26 के दूसरे दिन खेलों का रोमांच चरम पर रहा। 7 संभाग और जयपुर मुख्यालय से आए 8 टीमों ने क्रिकेट, बैडमिन्टन, कबड्डी, लॉनटेनिस, टेबल टेनिस, बास्केटबाल एवं वालीबॉल खेलों में अपना कौशल दिखाया। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने खेलगांव पहुंच कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता का समापन शनिवार अपराह्न 3.30 बजे महाराणा प्रताप खेलगांव में होगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि अर्न्तसंभागीय सिविल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेलगावं क्रिकेट मैदान पर जयपुर मुख्यालय एवं कोटा के मध्य मैच हुआ जिसमें कोटा 5 विकेट से विजयी रहा। वहीं उदयपुर 15 रन और अजमेर 6 विकेट से विजयी रहा। फिल्ड क्लब मैदान में जयपुर संभाग ने बीकानेर को तथा जोधपुर ने बीकानेर को हराया। एम बी. कालेज क्रिकेट ग्राउण्ड में जोधपुर ने भरतपुर को हराया। लीग मैचों के आधार पर ग्रुप ए में प्रथम जोधपुर संभाग व द्वितीय जयपुर संभाग तथा ग्रुप बी में प्रथम अजमेर संभाग एवं द्वितीय उदयपुर संभाग रहा।

जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया क्रिकेट के सेमीफाइनल मैच शनिवार को फील्ड क्लब क्रिकेट ग्राउण्ड में अजमेर संभाग एवं जयपुर संभाग के बीच सुबह 7.00 बजे तथा खेलगॉव क्रिकेट ग्राउण्ड पर जोधपुर संभाग एवं उदयपुर संभाग के बीच होगा। बैडमिन्टन में बीकानेर टीम 2-1 से हराकर फाइनल में पहुच गई है। महिला बैडमिंटन के फाइनल मैच में उदयपुर विजेता रहा। पुरूष का फाइनल शनिवार सुबह 8 बजे खेला जाएगा। महाराणा भुपाल स्टेडियम में कबड्डी खेल पहली बार अर्न्तसंभागीय सिविल प्रतियोगिता मेट पर करवायी जा रही है। सेमीफाइनल में जयपुर मुख्यालय एवं उदयपुर संभाग के बीच मुकाबले में जयपुर मुख्यालय विजेता रहा। लवकुश इण्डोर स्टेडियम में टेबल टेनिस पुरूष वर्ग सेमीफाईनल में जोधपुर विजेता एवं महिला वर्ग में उदयपुर, जयपुर, बीकानेर ने अपने-अपने मैच जीते। बास्केट बाल में फाइनल मैच जोधपुर एवं बीकानेर के मध्य सुबह 8.15 बजे होगा। महाराणा प्रताप खेलगॉव में प्रातकालीन सत्र में जोधपुर ने उदयपुर को 2-1 से, जोधपुर से बीकानेर को 2-1 से, बीकानेर ने जयपुर मुख्यालय को 2-0 से, कोटा ने जयपुर संभाग को 2-0 से हराया। सांयकालीन सत्र में प्रथम सेमीफाईनल में अजमेर ने बीकानेर को 3-1 से हराकर तथा द्वितीय सेमीफाइनल में जोधपुर ने कोटा को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला अजमेर जोधपुर के मध्य शनिवार सुबह 8 बजे होगा।

### सिद्धीपुरम - श्रीविहार कांकरोली में आयोजित होगा फागोत्सव

वृंदावन के गोवत्स श्री विट्ठल जी महाराज की कृष्ण भजनो पर झुमेंगे भक्त

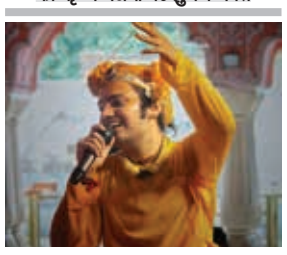

स्मार्ट हलचल| राजसमन्द

कांकरोली के भीलवाड़ा रोड़ स्थित सिद्धीपुरम श्रीविहार क्षेत्र में फागोत्सव मनाया जा रहा है। जिसके तहत वृंदावन के गोवत्स श्री विट्ठल महाराज का 7 मार्च, शनिवार को शाम 6 बजे से अपने सुमधुर कृष्ण भजनो के साथ अपनी प्रस्तुती देंगे तथा भक्तजन फूलो से होली खेलेंगे।

क्षेत्रवासीयों ने बताया कि फागोत्सव के लिये सभी आवष्यक तैयारीयां कर ली गई है तथा प्रयास किये जा रहे है कि सभी नगरवासी इस कार्यक्रम के सहभागी बने तथा कांकरोली में ही वृंदावन भक्ति व रस को महसूस करें।

# किसानो को खाद के साथ दिये जाने वाले अनाधिकृत उत्पादो को बंद करे सरकार: विधायक आक्या

### यूपी सरकार की तर्ज पर राजस्थान में भी कानून बनाया जाएगा: कृषि मंत्री मीणा

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

**शंभूपुरा।** चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में उर्वरक निर्माता द्वारा खुदरा विक्रेताओ को यूरिया एवं डीएपी के साथ अनाधिकृत रूप से दिये जाने वाले अन्य उत्पाद पर रोक लगाने की मांग की।

विधायक आक्या ने विधानसभा में प्रक्रिया एवं कार्यसंचालन के नियमों के नियम 50 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा की प्रदेश में कृषि विभाग द्वारा अनेक बार खुदरा यूरिया विक्रेताओ के यहां छापेमारी की गई है जिसमें अधिकांश स्थानो पर उर्वरक निर्माता द्वारा खुदरा विक्रेताओं को नकली यूरिया, डीएपी खाद के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने के प्रलोभन देकर अन्य अनाधिकृत उत्पाद बिक्री किए जाते है। जांच के दौरान यह उत्पाद भी निम्न गुणवत्ता के पाए गए है। किसानो को खाद खरीद के साथ दिये जाने वाले इन उत्पादो से किसानो पर आर्थिक भार पड़ता है। उन्होने कहा की अधिकांश उत्पाद की कीमत बहुत अधिक और गुणवत्ता घटिया होती है।

विधायक आक्या ने कहा की कृषि विभाग द्वारा अभी तक इन उत्पादों पर कोई ट्रायल नही लगाई गई है। कंपनियों द्वारा किसानों को आज भी इन निम्न गुणवत्ता के उत्पादो को खरीदने हेतु मजबूर किया जा रहा है। विधायक आक्या ने कहा की 45 किलो यूरिया के साथ किसान से नैनो यूरिया आधा लीटर के 225 रुपए एवं डी.ए.पी. के साथ नैनो डी.ए.पी. के रूप में आधा लीटर के 600 रुपए अलग से लिए जा रहे है साथ ही अन्य रासायनिक पदार्थ भी दिये जा रहे है जो गलत है इससे किसान पर आर्थिक भार बढ रहा है। जिस भी एजेंसी के माध्यम से किसानों तक यूरिया पहुंचाया जाता है उन सभी को सरकार द्वारा यूरिया के साथ अन्य उत्पाद किसानों को अनिवार्य नहीं करने हेतु पाबंद करना चाहिए। हॉल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 जनवरी 2026 से उर्वरक निर्माता द्वारा दिए जाने वाले अन्य उत्पाद की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। विधायक आक्या ने सरकार से प्राइवेट उत्पादक कंपनियों पर शिकंजा कसते हुए इस प्रकार का कानून राजस्थान में भी लागू कर किसानों को राहत प्रदान करने का अनुरोध किया।

विधायक आक्या की मांग पर मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कहा की शिकायत मिलने पर उनके विभाग द्वारा अनेक कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए नोटिस जारी किए गए है व कुछ के लाइसेंस भी निरस्त किए गए है। उन्होंने विधायक आक्या की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर राजस्थान में भी कानून बनाया जाएगा।

# हिंदुस्तान जिंक के प्रस्तावित फर्टिलाइजर प्लांट का ग्रामीणों ने किया विरोध, जनसुनवाई निरस्त करने की मांग

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

पुठोली-चंदेरिया क्षेत्र में प्रस्तावित हिंदुस्तान जिंक के नए फर्टिलाइजर प्लांट का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताया है। इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की जनसुनवाई समिति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्लांट की अनुमति निरस्त करने तथा जनसुनवाई रद्द करने की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्तमान में संचालित हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्लांट से क्षेत्र में जल और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे कई प्रकार की गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लकवा, कैंसर, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, शुगर और चर्म रोग जैसी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं और कई लोगों की इन बीमारियों के कारण मृत्यु भी हो चुकी है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि प्रदूषण का असर पशुओं पर भी पड़ रहा है। गाय-भैंस सहित अन्य पशु-पक्षियों में गंभीर बीमारियां फैल रही हैं, जिससे पशुपालन करना मुश्किल हो गया है। कई पशुओं की बीमारी के कारण मौत भी हो चुकी है।

ज्ञापन में किसानों ने बताया कि प्रदूषण के कारण फसलें प्रभावित हो रही हैं और पैदावार कम हो रही है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और परिवार का पालन-पोषण करना भी कठिन हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब वर्तमान प्लांट से ही इतनी समस्याएं हो रही हैं, तो नए फर्टिलाइजर प्लांट के लगने से जल, वायु और पर्यावरण प्रदूषण कई गुना बढ़ जाएगा, जिससे क्षेत्र में आम लोगों का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति मिलने से पहले ही प्लांट के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का निर्माण कार्य एल एंड टी कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जबकि नियमानुसार पहले स्वीकृति मिलने के बाद ही भूमि पूजन और निर्माण कार्य शुरू होना चाहिए।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रस्तावित फर्टिलाइजर प्लांट को अनुमति न दी जाए, जनसुनवाई को निरस्त किया जाए तथा नियमों के विरुद्ध चल रहे निर्माण कार्य को तुरंत रोका जाए।

इस दौरान सुवाणिया और आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा। इनमें श्यामलाल मेनारिया, कन्हैयालाल मेनारिया, पवन, राहुल मेनारिया, दिनेश चंद्र शर्मा, हेमंत मेनारिया, सलीम, अभिषेक, भैरूलाल सहित अन्य ग्रामीण शामिल थे।

ज्ञापन की प्रतिलिपि याचिका समिति के सभापति सी.पी. जोशी, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी भेजी गई है।

# दिल्ली के नए लेफ्टिनेंट गवर्नर तरणजीत सिंह संधू होंगे

स्मार्ट हलचल | मदन मोहन भास्कर

दिल्ली के नए लेफ्टिनेंट गवर्नर तरणजीत सिंह संधू होंगे। भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी तरनजीत सिंह संधू दिल्ली के उपराज्यपाल नियुक्त किए गए हैं। ये भारतीय विदेश सेवा के 1988 बैच के अधिकारी रहे हैं। इससे पहले संधू अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत के रूप में कार्यरत थे।

### तरनजीत सिंह संधू का जन्म कहाँ हुआ ?

तरनजीत सिंह संधू का जन्म 23 जनवरी 1963 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। इनके दादा, तेजा सिंह समुंद्री शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (सीजीपीसी ) के संस्थापक थे। इनके पिता बिशन सिंह संधू अमृतसर के प्रतिष्ठित खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल भी रहे है।

तरनजीत सिंह संधू एक भारतीय राजनीतिज्ञ और भारतीय विदेश सेवा के सेवानिवृत्त राजनयिक हैं जो दिल्ली के 21वें उपराज्यपाल के रूप में नियुक्त हुए हैं। इससे पहले ये श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त और संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत के रूप में कार्य कर चुके हैं । तरणजीत सिंह संधू पूर्व राजनयिक हैं जो साल 2020 से 2024 तक अमेरिका में भारत के एंबेसडर रहे। अपने 35 साल के करियर में तरणजीत संधू ने भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूत करने का काम किया। उनके 2013 से 2017 के काम को खासा याद किया जाता है, जब उन्होंने वाशिंगटन डीसी में डिप्टी चीफ ऑफ मिशन के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2014 की ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा की नींव रखी थी। इतना ही नहीं, तरणजीत सिंह संधू ने श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर और जर्मनी में काउंसिल जनरल की जिम्मेदारी भी संभाली है। इसके बाद साल 2025 में तरणजीत सिंह संधू एशिया ग्रुप का हिस्सा बने और सीनियर एडवाइजर की जिम्मेदारी संभाली। यहां पर ये भारत-अमेरिका व्यापार और रक्षा नीतियों के सलाहकार बने। संधू ने अपनी राजनयिक यात्रा की शुरुआत यूक्रेन में भारतीय दूतावास खोलने और वहां राजनीतिक एवं प्रशासनिक विंग के प्रमुख के रूप में की।

इन्होंने वाशिंगटन डीसी में प्रथम सचिव, फ्रैंकफर्ट में महावाणिज्य दूत, वाशिंगटन में उप मुख्य दूतावास अधिकारी और विदेश मंत्रालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त के रूप में भी इन्होंने सेवाएं दीं। अब तक इस पद की जिम्मेदारी संभाल रहे विनय कुमार सक्सेना को लद्दाक के एलजी पद का जिम्मा दिया गया है।

### दिल्ली से प्राप्त की तरणजीत सिंह संधू ने शिक्षा

तरणजीत सिंह संधु ने अपनी स्कूली शिक्षा लॉरेंस स्कूल, सनावर से पूरी की । बाद में इन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद इन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त की, जहाँ इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एमए की डिग्री हासिल की । इनकी शादी रीनत संधू से हुई है। संधू जनवरी 2017 से जनवरी 2020 तक श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त थे। इन्होंने इससे पहले दिसंबर 2000 से सितंबर 2004 तक कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में राजनीतिक विंग के प्रमुख के रूप में भी काम किया था। संधू सितंबर 2011 से जुलाई 2013 तक फ्रैंकफर्ट में भारत के महावाणिज्यदूत रहे।

### ट्रंप के साथ भारत के संबंध बेहतर करने में रही भूमिका

फरवरी 2020 में इन्होंने अमेरिका में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला और जनवरी 2024 तक इस पद पर रहे। इस दौरान इन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और बाद की प्रशासन के साथ इनका काम काफी सराहनीय रहा। फरवरी 2024 में सेवानिवृत्ति के बाद इन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और भाजपा में शामिल होकर 2024 में लोकसभा चुनाव में अमृतसर सीट से उम्मीदवार बने।

### संधू की पत्नी रीनत संधू भी विदेश सेवा की रहीं हैं अधिकारी

सेवानिवृत्ति के बाद वे भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदार फोरम में बोर्ड के सलाहकार और इसके भू-राजनीतिक संस्थान के चेयरमैन के रूप में भी जुड़े जहां इन्होंने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी पर काम किया। उनकी पत्नी रीनत संधू भी सेवानिवृत्त राजदूत हैं, जो इटली और नीदरलैंड्स में भारत की राजदूत रह चुकी हैं।

### श्रीलंका में संभाली उच्चायुक्त की जिम्मेदारी

तरनजीत सिंह संधू श्री लंका में भारत के उच्चायुक्त के तौर पर भी काम कर चुके हैं। इन्होंने जनवरी 2017 से 2020 तक 3 साल इस पद पर रहकर जिम्मेदारी निभाई। संधू इससे पहले भी कोलंबो के हाई कमीशन ऑफ इंडिया में दिसंबर 2000 से सितंबर 2004 तक पॉलिटिकल विंग के प्रमुख के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। श्रीलंका में उनके कार्यकाल के दौरान भारत-श्रीलंका के बीच स्ट्रैटेजिक और इकोनॉमिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए कई प्रयास हुए।

### लोकसभा का लड़ चुके है चुनाव

राजनयिक करियर के बाद तरनजीत सिंह संधू सक्रिय राजनीति में भी आए। उन्होंने साल 2024 में पंजाब की अमृतसर लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि इस इलेक्शन में उनकी हार हो गई।

### दिल्ली के एलजी के रूप में अहम होगी भूमिका

दिल्ली के उपराज्यपाल के तौर पर तरनजीत सिंह संधू की नियुक्ति को उनके प्रशासनिक अनुभव की समझ के लिहाज से अहम माना जा रहा है। दिल्ली के प्रशासनिक ढांचे में उनका महत्वपूर्ण रोल होगी। वह केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दे सकते हैं।

## मामूली विवाद में दलित युवक की पिटाई, जान से मारने की धमकी

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

थाना क्षेत्र के डुडियापुर मजरे जहांगीर नगर गहुरा गांव में मामूली विवाद को लेकर दबंगों द्वारा एक दलित युवक के साथ मारपीट करने और लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गांव निवासी बाबूलाल पासवान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 मार्च 2026 की सुबह करीब 11:30 बजे गांव में आलोक दुबे और सोनकर बिरादरी के कुछ लोगों के बीच विवाद हो रहा था। उसी दौरान वह घर के लिए सामान लेने दुकान की ओर जा रहा था। आरोप है कि उसे देखते ही आलोक दुबे गाली-गलौज करने लगे और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे सौरभ दुबे, आशीष व अन्य युवकों ने भी मिलकर उसके साथ मारपीट की।

पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान आलोक दुबे घर से लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक निकाल लाए और उसे लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे गांव में दहशत फैल गई। पीड़ित ने बंदूक लहराने का एक वीडियो भी पुलिस को सौंपने की बात कही है। हालांकि अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच करके उचित कार्रवाई किया जाएगा।

## प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों से सीधा संवाद करेंगे कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों के साथ प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव 7 मार्च 2026 को ऑनलाइन बैठक कर सीधा संवाद करेंगे।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश संगठन महासचिव सागर मावर ने बताया कि राजस्थान में पिछड़े वर्ग की आवाज़ को मजबूत करने तथा संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव सभी प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों से संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण डिजिटल बैठक का मुख्य उद्देश्य अब तक के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करना तथा आगामी जनांदोलनों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना है। यह बैठक आज 7 मार्च को दोपहर 2 बजे ज़ूम ऐप के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता डॉ. नरेन्द्र मेहरा (एडवोकेट) ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक समीक्षा, अब तक किए गए कार्यों की रिपोर्ट, आगामी

कार्यक्रम, प्रदेश स्तरीय ओबीसी सम्मेलन की रणनीति तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही ओबीसी विभाग को जिला और बूथ स्तर तक सक्रिय करने के लिए संभाग स्तर पर अधिवेशन आयोजित करने की योजना पर भी विचार किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में सभी की उपस्थिति अनिवार्य है तथा समय की मर्यादा का पालन करते हुए अपनी रिपोर्ट के साथ बैठक में शामिल हों। राजस्थान एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य राजेन्द्र सेन ने कहा कि पदाधिकारियों की सक्रियता ही संगठन की असली ताकत है, इसलिए सभी पदाधिकारी बैठक में भाग लेकर संगठन को मजबूत बनाने में योगदान दें।

## यूपीएससी में कार्तिक सिंघल ने लहराया सफलता का परचम, ऑल इंडिया 340वीं रैंक हासिल

स्मार्ट हलचल

**नारायणपुर।** संघ लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए सिविल सेवा परीक्षा के फाइनल परिणाम में क्षेत्र के होनहार युवक कार्तिक सिंघल ने सफलता का परचम लहराते हुए पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। कस्बे के निवासी रमेश चंद सिंघल के पुत्र कार्तिक ने आल इंडिया 340वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार और नारायणपुर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जैसे ही कार्तिक के चयन की खबर कस्बे में पहुंची, चारों ओर खुशी और उत्साह का माहौल छा गया तथा लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। कार्तिक सिंघल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कस्बे के ही बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने

उच्च शिक्षा के साथ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। बताया गया कि कार्तिक ने दिल्ली में रहकर इस कठिन परीक्षा की तैयारी की और लगातार मेहनत तथा दृढ़ संकल्प के बल पर अपने तीसरे प्रयास में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता ने क्षेत्र के युवाओं को नई प्रेरणा दी है। कार्तिक के पिता रमेश चंद सिंघल वर्तमान में सिलीगुड़ी में आर्मी कैंटीन का संचालन करते हैं, जबकि उनकी माता पुष्पा सिंघल गृहिणी हैं। कार्तिक की सफलता की खबर मिलते ही नारायणपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और परिचितों ने बाजार तथा स्थानीय स्कूल में मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया और कार्तिक की उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। इस अवसर पर विजयपुरा प्रशासक मोहन लाल वर्मा, मुकेश सिंघल, पूर्व उपसरपंच आकाश अग्रवाल, निदेशक मुकेश यादव, प्रधानाचार्य महिपाल यादव, दिनेश भार्गव, जेईएन धर्मेंद्र कोली और हरदान गुर्जर सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन एवं ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कार्तिक सिंघल को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## हेंवरा कोठी में समाजसेवी शिवराम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर हवन, बड़ी संख्या में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल | सैफई( इटावा)

क्षेत्र के हेंवरा कोठी में राज्यसभा सांसद स्व0 बाबू दर्शन सिंह यादव के भाई समाजसेवी स्वर्गीय शिवराम सिंह यादव की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन से हुई। विद्वान आचार्यों आदेश यादव शास्त्री, चरण स्वरूप शास्त्री, मचल स्वरूप शास्त्री और राम नारायण बाबा ने विधि-विधान से हवन संपन्न कराया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने आहुति देकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

हवन कार्यक्रम में पूर्व विधायक सोवरन सिंह यादव, एमएलसी मुकुल प्रताप यादव, कुमदेश चंद्र यादव, जितेंद्र प्रताप यादव, अनुज यादव, नीरज यादव, नितुल प्रताप यादव (प्रधान), अमित यादव, सौरभ यादव और अर्पित यादव सहित कई प्रमुख लोगों ने हवन में आहुति देकर स्वर्गीय शिवराम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

इसके अलावा प्रमोद यादव (प्रधानाचार्य), डॉ. अखिलेश यादव, कृष्ण मोहन तिवारी, हरिओम, कन्हैया, नरेश यादव, सचिन यादव, उमादत्त तिवारी, रणवीर पाल, अरविंद यादव, पिंकू यादव, टिंकू यादव और अनिल यादव समेत क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे और हवन में आहुति दी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय शिवराम सिंह यादव समाज सेवा के लिए हमेशा समर्पित रहे। उन्होंने अपने जीवनकाल में गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता कर समाज में एक अलग पहचान बनाई। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज की सच्ची सेवा की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

## शाहपुरा फूलडोल महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय का मुख्य फूलडोल महोत्सव चौथे दिन शुक्रवार को परवान चढ़ गया है।बड़ी संख्या में श्रद्धालु व भक्तगण मेले में उमड़ रहे है।शुक्रवार को नया बाजार स्थित राम मेड़िया से भव्य शोभायात्रा निकली गई।श्री वाणी जी महाराज थाल की शोभायात्रा में रामस्नेही भक्त और महिलाएं भक्ति रस में डुबे नजर आए।मार्ग में जगह-जगह भक्तजनों द्वारा फूलों की वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा नया बाजार, सदर बाजार, चमना बावड़ी, कुंडगेट, बारहठ स्मारक,त्रिमूर्ति चौराया होते हुए रामशाला कन्या महाविद्यालय के सामने द्वार से प्रवेश कर सूरज पोल के रास्ते से बारादरी पहुची।हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के दर्शन और आरती का लाभ लिया।समाधि स्तम्भ पर शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए दर्शनार्थियों की लम्बी लाइन लगी रही।विभिन क्षेत्र से आए भक्तजनों व श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का आगामी चातुर्मास अपने क्षेत्र में करने के लिए अर्जी लगाई है।आचार्य श्री चातुर्मास के लिए घोषणा 8 मार्च रविवार को दोपहर 12 बजे तक करेंगे।

## छपरा जंक्शन का बदलेगा स्वरूप आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस-डीआरएम आशीष जैन

स्मार्ट हलचल | वाराणसी

यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने की दिशा में छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्यों ने अब रफ्तार पकड़ ली है। इसी क्रम में वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने मंडलीय अधिकारियों के साथ छपरा जंक्शन का व्यापक निरीक्षण किया और स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छपरा स्टेशन के सेकेंड एंट्री पर चल रहे निर्माण कार्यों को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छपरा जंक्शन को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है,

जिससे यात्रियों को सुरक्षित,सुगम आरामदायक यात्रा अनुभव मिल सके। निरीक्षण के बाद छपरा स्टेशन के आरआरआई पैनल के समीप नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया गया। इस विश्राम गृह का फीता वरिष्ठ मेठ छपरा मनोहर सिंह राणा द्वारा काटकर उद्घाटन कराया गया।

इस दौरान आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने कहा कि अधिकारी विश्राम गृह के निर्माण से मंडल पर कार्यरत अधिकारियों तथा छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्य से जुड़े रेल अधिकारियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्टेशन के विकास से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को गति मिलेगी कार्यों के निष्पादन में भी सहूलियत होगी। उन्होंने इंजीनियरिंग विभाग समेत सभी संबंधित विभागों की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा में योजनाबद्ध तरीके से इस विश्राम गृह का निर्माण पूरा करना सराहनीय उपलब्धि है।

इस अवसर पर सोनाली पॉल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विनीत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर यशवीर सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एस. रमेश कुमार,उपमुख्य इंजीनियर (गति शक्ति) शशांक पाण्डेय, मंडल विद्युत इंजीनियर दीपक यादव,सहायक मंडल इंजीनियर ए.के. राय तथा स्टेशन निदेशक छपरा राजेश कुमार सहित कई वरिष्ठ पर्यवेक्षक रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि छपरा जंक्शन के पुनर्विकास कार्यों के पूरा होने के बाद स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा,जिससे यात्रियों को बेहतर सेवा सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगी।

## केमिस्ट एसोसिएशन ने किया विधानसभा का भ्रमण

**चित्तौड़गढ़।** जिला केमिस्ट एसोसिएशन कार्यकारिणी ने विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या के नेतृत्व में गुरुवार को विधानसभा का भ्रमण कर कार्यवाही देखी।

केमिस्ट जिलाध्यक्ष रमेश मेहता ने बताया कि इस दौरान सचिव सुशील अग्रवाल, जिला प्रवक्ता कन्हैयालाल गर्ग सहित जिला कार्यकारिणी के 19 सदस्यों ने विधानसभा की कार्यवाही को देखा, जिसमें समस्त विधायकों द्वारा अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को विधानसभा पटल पर रखने व उनका निस्तारण करवाने की प्रक्रिया को जाना।

## किसी एक देश के पास न होकर विभाजित हो चुका है शक्ति का केंद्रः डॉ. जयशंकर

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली

रायसीना डायलॉग 2026 को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि इस दशक में दो सबसे बड़े बदलाव 'तकनीक' और 'जनसांख्यिकी' के रूप में आएंगे। उन्होंने कहा कि अब शक्ति का केंद्र किसी एक देश के पास न होकर अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित हो चुका है।

भारत का प्रमुख भू-राजनीति और भू-अर्थव्यवस्था सम्मेलन, रायसीना डायलॉग का 11वां संस्करण 5 मार्च से नई दिल्ली में शुरू हुआ। इस इवेंट को हर साल ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) और विदेश मंत्रालय मिलकर आयोजित करते हैं। तीन दिवसीय समारोह में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हस्तियां शामिल हो रही हैं। इस बार की थीम 'संस्कार: दृढ़ता, सामंजस्य, प्रगति' है। इवेंट

में एआई, डिजिटल गवर्नेंस, सप्लाई चेन में लचीलापन और हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा जारी है। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब भारत पहुंचे हैं और वे रायसीना डायलॉग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं कीनोट स्पीकर थे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. जयशंकर ने कहा वैश्विक व्यवस्था में बदलाव को रोकना नामुमकिन है। 1945 या 1989 के दौर को हमेशा के लिए फ्रीज करने की उम्मीद रखना एक बहुत ही अव्यावहारिक सोच थी। पिछले 70 साल भारत के इतिहास का केवल 1 फीसदी हिस्सा हैं, इसलिए यह सोचना कि केवल यही कालखंड शाश्वत रहेगा, सही नहीं है।

जयशंकर ने जोर देते हुए कहा कि भविष्य बहुत अधिक 'मल्टीपोलर' होने वाला है। उनके मुताबिक आज दुनिया में कोई भी ऐसा देश नहीं है, जिसके पास इतने सारे क्षेत्रों में प्रभुत्व हो कि वह संपूर्ण 'हेजेमोन' (सर्वाधिकार संपन्न शक्ति) बन सके। यह केवल जीडीपी या क्षमताओं के वितरण के बारे में नहीं है, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्से अलग-अलग डोमेन में अधिक योगदान देंगे या उनकी क्षमताएं अधिक होंगी। शक्ति अब अपने विभिन्न आयामों में बहुत अधिक फैल चुकी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया को उन ताकतों को पहचानना होगा, जो परिवर्तन को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने इशारा किया कि ग्लोबल ढांचे में बदलाव को स्वीकार करना ही प्रगति का एकमात्र रास्ता है। भारत इस नई और उभरती हुई विश्व व्यवस्था में अपनी भूमिका को लेकर तैयार है, जहां शक्ति का विकेंद्रीकरण हो चुका है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सम्मेलन से इतर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की। वहीं दूसरी ओर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने डॉयलाग के दूसरे दिन अपने संबोधन में कहा कि भारत के निर्णय राष्ट्र हितों के अनुरूप होते हैं और किसी एक गुट के साथ जुड़े नहीं है। उन्होंने कहा चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, भारत संवाद और कूटनीति पर निरंतर जोर देता आया है। साथ ही कनेक्टिविटी और स्थिरता को बढावा देने के लिए भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारों जैसे प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है।

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वाटर कूलर भेंट किया

**चित्तौड़गढ़।** स्व. हीरालाल लढ्ढा एवं उनकी धर्म पत्नी नजर देवी की पुण्य स्मृति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर को कैलाशचन्द्र लढ्ढा एवं महेश लढ्ढा द्वारा भेंट किये गये वाटर कूलर का शुक्रवार को लोकार्पण किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयपुर पर भेंट किये गये वाटर कूलर का लोकार्पण डॉ. नरेश कुमार मीणा, सरपंच श्यामलाल शर्मा, श्री गढ़बोर चारभुजा सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रवीण टांक एवं विजयपुर गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा की उपस्थिति में पंडित राकेश शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार के साथ किया। इस मौके पर महेश चंद्र लड्ढा ने कहा कि उन्हें समाजसेवा एवं परमार्थ की सीख अपने दादा दादी व माता-पिता से ही मिली है। उन्ही की प्रेरणा से गांव के प्रति सेवा परमो धर्म का भाव रहता है। लोकार्पण कार्यक्रम में सरपंच श्यामलाल शर्मा ने दानदाता कैलाशचन्द्र लढ्ढा एवं महेश लढ्ढा का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर किरण सिंह शक्तावत, गोपाल मून्दड़ा, बाबूलाल मून्दड़ा, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर उमाशंकर उपाध्याय, सुनील चेचाणी, भगवत सिंह शक्तावत, राम रतन प्रजापत, पप्पू शर्मा, राकेश तिवारी, हर्षवर्धन सिंह पवार, मुकेश खटीक, कालु सिंह सहित चिकित्साकर्मी उपस्थित रहे।

# राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

कांतिलाल मांडोत

**राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।**

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है–कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों

पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं। बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दर्शाता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

## संपादकीय

### परमाणु रिसाव हुआ तो...

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर ह्यमेल्टडाउनह्ल हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये ह्यसंहारी संयंत्रह्ल नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं?

अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे।

## चिंतन-मनन

### शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

## झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

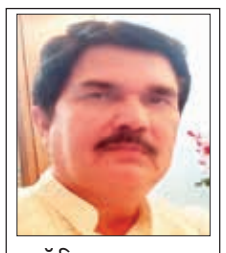

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है।

वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दर्शाता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है।

इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दर्शाता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे। तभी दुनिया को झूठ पर गढ़े गए युद्धों और उनके खतरनाक परिणामों से बचाया जा सकेगा।

## बंद होते हवाई अड्डे: हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दर्शाता है।इसी मकसद से उड़ान योजना की शुरूआत की गयी थी। UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,आजमगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर,छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया,कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बबार्दी नहीं है? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कापोर्रेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फिलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

# सुबह की ये गलत आदतें सेहत को पहुंचा सकती हैं भारी नुकसान

## कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां?

कहते हैं कि सुबह की पहली किरण सिर्फ सूरज की रोशनी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और संभावनाओं का उपहार लेकर आती है। हालांकि, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोगों ने इस बेशकीमती समय को अपनी गलत आदतों की भेंट चढ़ा दिया है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह के समय हमारा शरीर 'रिकवरी मोड' से बाहर आ रहा होता है, ऐसे में नींद खुलते अक्सर लोग कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो शरीर को अंदर से खोखला बना सकता है। यह छोटी सी लापरवाही आपके मेटाबॉलिज्म, मानसिक स्वास्थ्य और पाचन तंत्र पर गहरा असर करती है।

अगर आप भी सुबह उठते ही भारीपन या तनाव महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके मॉर्निंग रूटीन की उन गलतियों में है जो जाने-अनजाने में आपकी कार्यक्षमता और आयु को कम कर रही हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि वो कौन-सी आदतें हैं जिन्हें तुरंत बदलना जरूरी है।

सुबह उठते ही स्मार्टफोन का इस्तेमाल

नींद खुलते ही मोबाइल स्क्रीन की 'ब्लू लाइट' के संपर्क में आना आपकी आंखों और दिमाग के लिए बेहद हानिकारक है। जैसे ही आप सोशल मीडिया या काम के ईमेल देखते हैं, शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हार्मोन) का लेवल अचानक बढ़ जाता है। यह आदत आपको दिन की शुरुआत में ही मानसिक रूप से थका देती है और एकाग्रता में कमी का कारण बनती है।

खाली पेट चाय या कॉफी का सेवन

भारतीय घरों में 'बेड टी' का रिवाज आम है, लेकिन यह पाचन तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। खाली पेट कैफीन का सेवन शरीर में एसिडिटी और पित्त के असंतुलन को बढ़ाता है। इससे न सिर्फ पेट में जलन और कब्ज की समस्या होती है, बल्कि यह शरीर के पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है।

### पानी न पीना और डिहाइड्रेशन का जोखिम

रात भर की 7-8 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर पूरी तरह डिहाइड्रेट (पानी की कमी) हो जाता है। सुबह उठकर पानी न पीना आपके अंगों को सक्रिय होने से रोकता है। पानी की कमी के कारण किडनी और लीवर शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाते, जिससे त्वचा बेजान नजर आने लगती है और आप सुबह से ही सुस्ती महसूस करते हैं।

### नाश्ता स्किप करना है बड़ी लापरवाही

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, जिसे छोड़ने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। जो लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता नहीं करते, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वे दोपहर में ओवरईटिंग करने लगते हैं। एक हेल्दी जीवन के लिए सुबह जल्दी उठें, गुनगुना पानी पिएं और पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें ताकि आप दिन भर एनर्जेटिक बना रहे।

# चेहरे पर होते हैं मुंहासे, जानें इनसे बचने के तरीके

**हर कोई अपनी स्किन को साफ, चमकदार और बेदाग देखना चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुंहासे इस खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है।**

किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुंहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है।

दरअसल, मुंहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाए जाएं। यहां इस लेख में हम आपको इससे जुड़ी हर बात बताएंगे।

मुंहासे होने की वजह

मुंहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमछिद्र (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं।

सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या तनाव के दौरान।

हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है।

इसके अलावा ऑयली स्किन, गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं।

बार-बार चेहरे को छूना, गंदा तकिया कवर या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुंहासे बढ़ सकते हैं।

इससे बचने के तरीके

दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें।

ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें।

हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रब न करें।

जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-भुना कम करें।

रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन करें।

मुंहासे हो जाएं तो क्या करें ?

पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचें, इससे दाग और इंफेक्शन हो सकता है।

सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं।

एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं।

मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें।

लगातार बढ़ते मुंहासों के लिए क्या करें ?

अगर मुंहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं।

लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचें।

सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित स्किन केयर से मुंहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

# आपके जोड़ों के दर्द का कारण कहीं कॉफी तो नहीं ?

सुबह उठते ही एक कप गरम कॉफी कई लोगों की आदत बन चुकी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा कॉफी पीना आपके जोड़ों (जॉइंट्स) के लिए हानिकारक हो सकता है? डॉक्टरों का कहना है कि सीमित मात्रा में कॉफी ठीक है, लेकिन अधिक कैफीन शरीर में सूजन और कैल्शियम की कमी बढ़ा सकती है, जिससे जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या हो सकती है। खासकर उन लोगों को सावधान रहना चाहिए जिन्हें पहले से गठिया, यूरिक एसिड या हड्डियों की कमजोरी की समस्या है।

डॉक्टर ने बताए 5 चेतावनी संकेत – सुबह उठते ही जोड़ों में जकड़न: अगर रोज सुबह उठने पर घुटनों, उंगलियों या कंधों में अकड़न महसूस हो और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिले, तो यह सूजन का संकेत हो सकता है।

जोड़ों में हल्की सूजन या गर्माहट: जोड़ों को छूने पर गर्म महसूस होना या हल्की सूजन दिखाई देना शरीर में बढ़ती सूजन की ओर इशारा करता है। बार-बार दर्द या चुभन: अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी घुटनों, एड़ियों या कलाई में दर्द बना रहता है, तो कैफीन की अधिकता शरीर के मिनरल संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण: बहुत ज्यादा कॉफी शरीर से कैल्शियम बाहर निकाल सकती है। इससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे बार-बार दर्द या थकान महसूस होती है। यूरिक एसिड बढ़ना: कुछ लोगों में ज्यादा कॉफी और डिहाइड्रेशन के कारण यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे जोड़ों में तेज दर्द (गठिया जैसा) हो सकता है।

कितनी कॉफी सुरक्षित है?

विशेषज्ञों के अनुसार दिन में 1-2 कप ब्लैक कॉफी सामान्यत: सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन अगर आपको पहले से जोड़ों की समस्या है तो मात्रा कम रखना बेहतर है। ऐसे में कॉफी के साथ कैल्शियम और विटामिन ड युक्त आहार लें, नियमित हल्की एक्सरसाइज करें। अगर दर्द लगातार रहे तो डॉक्टर से जांच जरूर कराएं। याद रखें हर आदत अच्छी है, जब तक वह संतुलन में है। अगर आपको भी सुबह कॉफी के बाद जोड़ों में दर्द या अकड़न महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय रहते सावधानी बरतना ही समझदारी है।

# सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने के 7 जबरदस्त फायदे

किशमिश देखने में भले ही छोटी हो, लेकिन इसके फायदे सेहत के लिए बेहद बड़े हैं। आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में किशमिश को ताकत और पोषण का खजाना माना गया है। खासतौर पर जब किशमिश को रातभर भिगोकर उसका पानी सुबह खाली पेट पिया जाए, तो यह शरीर पर गहरा असर डालती है। किशमिश में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन क्र-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

### लिवर को करता है डिटॉक्स

किशमिश का पानी शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे लिवर की सफाई होती है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर बनती है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से लिवर पर जमा गंदगी कम होती है, मेटाबॉलिज्म सुधरता है और शरीर अंदर से हल्का व साफ महसूस करता है।

### पाचन तंत्र रहता है मजबूत

अगर आपको कब्ज, गैस या अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं, तो किशमिश का पानी एक रामबाण उपाय साबित हो सकता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है, पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और सुबह पेट साफ होने में सहायक होता है, जिससे दिनभर हल्कापन और आराम महसूस होता है।

### खून की कमी (एनीमिया) में फायदेमंद

खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या में किशमिश का पानी बेहद फायदेमंद माना जाता है। किशमिश आयरन का अच्छा स्रोत है और रोजाना इसका पानी पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ने में मदद मिलती है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

### त्वचा में आता है नेचुरल ग्लो

त्वचा में नेचुरल ग्लो लाने के लिए किशमिश का पानी बहुत कारगर माना जाता है। जब शरीर अंदर से डिटॉक्स होता है, तो उसका सीधा असर चेहरे पर दिखाई देता है। रोजाना किशमिश का पानी पीने से मुंहासे कम होते हैं, दाग-धब्बे हल्के पड़ते हैं और त्वचा साफ, स्वस्थ व चमकदार बनती है।

### दिनभर बनी रहती है एनर्जी

दिनभर एनर्जी बनाए रखने में किशमिश का पानी काफी मददगार होता है। किशमिश में मौजूद नेचुरल ग्लूकोज और फ्रुक्टोज शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे थकान, कमजोरी और सुस्ती दूर होती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से दिनभर एक्टिव और तरोताजा महसूस होता है।

### ब्लड प्रेशर रहता है कंट्रोल

किशमिश का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में भी सहायक होता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम कम होता है, जिससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहता है। नियमित रूप से किशमिश का पानी पीने से हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत बेहतर बनी रहती है।

### किशमिश का पानी कैसे बनाएं?

रात को 15-20 किशमिश एक गिलास पानी में भिगो दें
सुबह उठकर पानी को छान लें
इस पानी को खाली पेट पिएं
बची हुई भीगी किशमिश को चबा-चबाकर खा लें।
इन बातों का रखें खास ध्यान
दिन में सिर्फ 1 गिलास ही पिएं
डायबिटीज के मरीज सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लें
ज्यादा मात्रा में लेने से वजन बढ़ सकता है

**हमेशा बिना सल्फर वाली किशमिश का इस्तेमाल करें।**

अगर आप बिना दवा के सेहत सुधारना चाहते हैं, तो सुबह खाली पेट किशमिश का पानी एक आसान और असरदार घरेलू उपाय है। यह लिवर, पाचन, त्वचा और ऊर्जा हर स्तर पर शरीर को फायदा पहुंचाता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com